हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 9 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

11 पीएम-सीएम की अगुवाई में हर वर्ग का हो रहा विकास

11 नशे की लत से जुझ रहे युवाओं की काउंसलिंग

खबर संक्षेप

तेजधार हथियार से हमला करने पर केस

जींद। गांव घिमाना में रंजिशन तेजधार हथियार से हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घिमाना निवासी संतोष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी राजेश परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते राजेश परिवार ने उसके पति राजेंद्र पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया।

रेलगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

कैथल। भगत सिंह कॉलोनी के नजदीक ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति रात को रेलवे ट्रैक पर गया था, वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। रात करीब 12 बजे यह हादसा हुआ।मृतक की अनुमानित आयु करीब 35 वर्ष आंकी जा रही है। हालांकि अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन जीआरपी पुलिस लगातार उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पराली जलाने पर तीन किसानों पर मामले दर्ज

जींद। जिला पुलिस ने पराली अवशेष जलाने पर तीन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए है। कृषि विभाग के नोडल अधिकारी सौरभ ने पुलिस को को दी शिकायत में बताया कि सरकार ने पराली अवशेष जलाने पर रोक लगाई हुई है। बावजूद इसके गांव अलीपुरा निवासी शमशेर ने खेत में पराली को जलाया। वहीं गांव काब्रच्छा निवासी विजेंद्र तथा गांव सिंघाना निवासी देवेंद्र के खेत में भी पराली अवशेष जलाना पाया गया।

तस्कर 30.25 बोतल शराब सहित गिरफ्तार

कैथल। सीआईए-1 पुलिस द्वारा 1 आरोपी को काबू कर लिया गया। जिसके कब्जे से 30.25 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की सीआईए-1 पुलिस के एएसआई प्रदीप कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव मालखेड़ी के पास नाकाबंदी की गई। जहां बाइक की टंकी पर एक प्लास्टिक कैनी रखे आ रहे संदिग्ध गांव कालवन जिला जींद निवासी प्रगट सिंह को पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया।

पुलिस पर हमला करने की वांछित आरोपी काबू

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना टीम ने ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत कार्रवाई करते हुए वर्ष 2022 में पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए नरवाना प्रभारी एसआई सुखदेव सिंह ने बताया कि दो मई 2022 को सीआईए टीम को सूचना मिली थी कि चार संदिग्ध पीपलथा निवासी राजेंद्र के घर पर छुपे हुए हैं। जो किसी बड़ी लूट व डकैती की वारदात को अंजाम देकर आए हैं।

छात्राओं को गलत इशारे करने वाला आरोपी काबू

कैथल। स्कूल जाने वाली छात्राओं को अश्लील इशारे करने के मामले में थाना शहर पुलिस द्वारा आरोपी को त्वरित कार्रवाई दौरान काबू के लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कैथल की एक कॉलोनी की 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग युवती की शिकायत अनुसार 7 नवंबर की सुबह वह अपनी छोटी बहन के साथ स्कूल जा रही थी। रास्ते में अज्ञात युवक अश्लील इशारे करने लगा।

बायोमैट्रिक हाजिरी 30 तक लगाना करें सुनिश्चित

जींद। जिले में चल रही खेल नर्सरियों में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों की बायोमैट्रिक हाजिरी लग रही है। हाजिरी के आधार पर ही डाइट राशि मिलती है। जिले में 60 खेल नर्सरी सरकारी स्कूलों व ग्राम पंचायतों में इस सत्र में अलॉट हैं। 15 नर्सरी संचालक ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक खिलाड़ियों व कोच की बायोमैट्रिक हाजिरी नहीं लगाई है।

ऑनलाइन एंट्री न होने से लाइनों में ओपीडी पर्ची के लिए करना पड़ रहा इंतजार

प्रतिदिन 1800 तक पहुंच रही ओपीडी

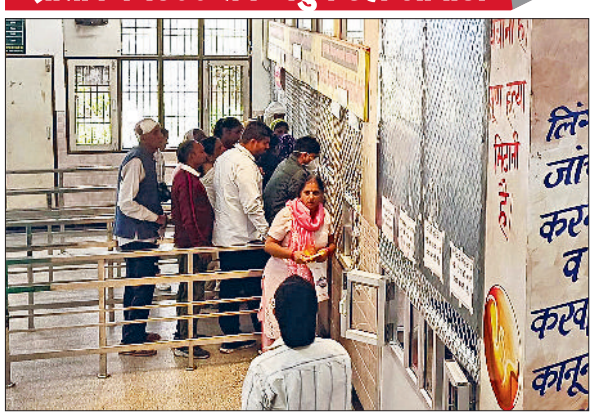

जींद। ओपीडी पर्ची काउंटर पर मैनुअल तरीके से पर्ची लेते मरीज। फोटो :हरिभूमि

कंप्यूटर चलाने के लिए रखे गए बैटरी सेट हुए खराब, तीन लाख रुपये बजट की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में ओपीडी पर्ची मैनुअल काटे जाने से मरीजों की परेशानी बढ़ी है। इस समय कंप्यूटर चलाने के लिए बैटरी पूरी तरह से खराब है। जो कंप्यूटर चलाने का लोड नही उठा पा रही हैं। जिससे ऑनलाइन स्लिप नही कट पा रही हैं। ऐसे में ओपीडी पर्ची काउंटर पर कंप्यूटर कर्मियों द्वारा मैनुअल तरीके से ओपीडी स्लिप दी जा रही है। बैटरियों को ठीक करवाने के लिए तीन लाख के बजट की दरकार है। जिसकी डिमांड की गई है। उम्मीद है कि सोमवार तक बजट मिल जाएगा और मरीजों को आ रही परेशानी दूर होगी। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो प्रतिदिन 1800 तक की ओपीडी होती है। इसमें कुछ पुराने मरीज होते हैं तो कुछ नए होते हैं। जिनकी एंट्री मोबाइल के नाम से की जाती है। नई एंट्री करने में आधा मिनट तक लगता है और पुरानी एंट्री मोबाइल नंबर डालते ही मरीज की सारी डिटे आ जाती है। जिससे तुरंत प्रभाव से मरीज को ओपीडी स्लिप उपलब्ध हो जाती है और मरीज को ज्यादा देर तक इंतजार नही करना पड़ता है। इस समय कंप्यूटर सिस्टम को चलाने के लिए बैटरियां जवाब दे चुकी हैं। जिसके साथ ही मैनुअल पर्ची काटने का सिस्टम शुरू किया गया है ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो।

जल्द हो जाएगा समाधान

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि कंप्यूटर सेट चलाने के लिए बैटरी खराब हैं। इसके लिए तीन लाख बजट की डिमांड की गई है। सोमवार तक यह बजट मिल जाएगा। बजट मिलते ही तुरंत प्रभाव से बैटरियों को बदल दिया जाएगा। इसके बाद ऑनलाइन सिस्टम से ओपीडी स्लिप दवा देने का काम किया जाएगा। मरीजों को ज्यादा परेशानी न हो, इसके लिए तकनीकी टीम को अलर्ट कर दिया गया है। प्रभावित मरीजों को प्राथमिकता से दवाइयां व ओपीडी स्लिप उपलब्ध करवाई गई हैं।

स्लिप काटने में लग रहा ज्यादा समय

ओपीडी व दवा खिड़की पर सुबह ही मरीजों की लाइनें लगनी शुरू हो जाती हैं। ऑनलाइन एंट्री न हो पाने के कारण मरीजों को ओपीडी स्लिप बनवाने में काफी समय लगता है। इसके बाद चिकित्सकों के कमरे के बाहर और फिर दवा खिड़की पर लगने वाली लंबी लाइनें में लगना पड़ता है। हालांकि प्रशासन ने फार्मासिस्टों व कंप्यूटर आप्रेटर को जल्द से जल्द मैनुअल तरीके से दवाइयां व ओपीडी स्लिप देने के निर्देश जारी किए हुए हैं। बावजूद इसके काफी समय मरीजों को परेशान रहना पड़ता है।

शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे थे

ग्रीन फिल्ड हाईवे से कार नीचे गिरी, एक की मौत, दो गंभीर

हाईवे पर गांव बराहखुर्द रेलवे पुल के निकट हादसा, 30 फूट नीचे गिरी गाड़ी

राहगीरों ने तीनों को कार से बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव बराहखुर्द रेलवे पुल के निकट अनियंत्रित कार ग्रीन फिल्ड नेशनल हाईवे से लगभग तीस फूट नीचे गिर गई। जिसमें एक महिला की मौत हो गई। जबकि महिला समेत दो लोग घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। रामबख्श कालोनी निवासी प्रदीप अपनी बुआ गांव खरकगागर निवासी संतरो (55) तथा कलाशो (57) को कार में लेकर ग्रीन फिल्ड नेशनल हाइवे के रास्ते जींद की तरफ आ रहा था। गांव बराहखुर्द रेलवे पुल के निकट उनकी कार अनियंत्रित कार हाइवे से नीचे गिर गई। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तीनों को कार से बाहर निकाल नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने संतरो को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतका के जेठ हजारा सिंह ने पुलिस को बताया कि प्रदीप की बहन की शादी निर्धारित की गई है। बहन को बाने बैठाने के लिए प्रदीप अपनी दोनों बुआ को लेकर अपने घर जा रहा था। रास्ते में हादसा हो गया। जिसमें उसके छोटे भाई की पत्नी संतरो की मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है।

जींद। हादसे में दुर्घटनाग्रस्त हुई कार। फोटो :हरिभूमि

जींद। मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाने आए परिजन। फोटो :हरिभूमि

शव परिजनों को सौंपा

सदर थाना के जांच अधिकारी सुलतान सिंह ने बताया कि कार सवार लोग शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे थे। कार अनियंत्रित होकर हाईवे नीचे गिर गई। जिसमें एक महिला की मौत हो गई। जबकि चालक समेत दो घायल हो गए। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनो को सौंप दिया गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कैथल। एक सड़क हादसे में 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक गांव पाई निवासी राममज कैथल पब्लिक हेल्थ विभाग में डीसी रेट पर नौकरी कर रहा था। रोजाना की तरह वह सुबह अपनी ड्यूटी पर आया था और रात को ड्यूटी समाप्त होने के बाद घर जा रहा था। घर जाते वक्त वह जैसे ही गांव डयोड़ खेड़ी के पास पहुंचा तो वहां पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे सड़क से एक तरफ किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ तितरम थाना में केस दर्ज किया है। युवक के भाई अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई रामभज कई साल से पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में डीसी रेट पर कर्मचारी लगा हुआ था। शुक्रवार को भी वह सुबह अपनी ड्यूटी पर आया था, लेकिन ड्यूटी समाप्त होने के बाद जब वह घर जा रहा हाथ था तो अज्ञात वाहन के ड्राइवर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

बदला मौसम का मिजाज अब ठंडी होने लगी रात

11 डिग्री तक पहुंचा न्यूनतम तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नवंबर की शुरुआत से ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। दिन में हल्की धूप और रात में ठंडी हवाओं ने लोगों को सर्दी का अहसास कराना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही. तापमान में गिरावट देखी जा रही है। कैथल का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक पहुंच गया है। पहाडी क्षेत्रों में हुई बर्फबारी से ठंड और बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में तापमान में पहले से ज्यादा गिरावट दर्ज की जाएगी। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले समय में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट संभव है। फिलहाल बारिश के कोई आसार नहीं हैं लेकिन साफ आसमान और ठंडी हवाएं मौसम को सुहावना बनाए हुए है। यहां यह भी बता देना जरूरी है कि शनिवार रात शीतल, शांत व धीरे-धीरे ठंडी होने की राह पर है। ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में रहने वालों को सलाह सुबह के समय कोहरे से भी सावधानी बरतें।

कैथल का एक्यूआई 302 तक पहुंचा

कैथल में करीब 4 दिन पहले हुई बारिश से प्रदूषण काफी हद तक कम हो गया था, लेकिन अब फिर बढ़ा है। शनिवार को कैथल का एक्यूआई 302 रहा। जो बेहद खतरनाक है। एक तरफ मौसम में बदलाव और दूसरी तरफ प्रदूषण से लोग इंफेक्शन के चपेट में आ रहे हैं।

बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल की सलाह दी

बदलते मौसम के बीच स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को ठंडी हवा से बचने और बच्चों व बुजुर्गों की विशेष देखभाल की सलाह दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि मौसम के इस परिवर्तन काल में सर्दी-जुकाम और वायरल बुखार के मामलों में वृद्धि हो सकती है।

जींद का एक्यूआई 296 से ज्यादा

जींद। जिले में लगातार पराली जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई रात के समय 296 से ऊपर पहुंच गया है जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। सुबह तक यह स्तर 300 के पार चला जाता है, जबकि दिन में यह 200-250 के आसपास रहता है। रात में हवा की गति कम होने और तापमान गिरने से धुआं नीचे की ओर जमीन पर फैलता है। इससे कोहरा मिल कर स्मॉग बनाता है जो सांस लेना मुश्किल कर देता है। जिले के मुख्य चौराहों और राजमार्गों पर रात आठ बजे के बाद बाइक चालक सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। बाइक सवारों के लिए रात का सफर अब जोखिम भरा हो गया है। एक किलोमीटर की दूरी तय करने में ही आंखों से आंसू निकलने लगते हैं। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार रात के समय अस्थमा और सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अगर यही स्थिति रही तो सर्दियों में कोहरा और स्मॉग मिलकर ब्लैकआउट जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं।

सीएम के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

महिला कर्मचारियों के साथ उत्पीड़न का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल मे कामकाजी महिला समन्वय समिति (सीटू) के बैनर तले 26 अक्टुबर को रोहतक एमडीयू मे महिला सफाई कर्मचारियो के साथ मालिक व ठेकेदारों द्वारा उत्पीडन व शर्मनाक कार्यवाही के खिलाफ कैथल मे उपायुक्त कार्यालय पर सीटू जिला सचिव नरेश रोहेड़ा की अध्यक्षता मे प्रदर्शन करते हुऐ मुख्यमत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मालिक व ठेकेदार के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मागं की गई। सीटू जिला सचिव नरेश कुमार व सीटू जिला के नेता सुनीता काकोत, धूप सिंह खरका, सुषमा जडोला, कविता राजौंद, ईश्वर सराही, रमेश हरित ने बताया कि एमडीयू विश्विद्यालय, रोहतक में 25 से 27 अक्टूबर तक राज्यपाल की विजिट होनी थी। कैंपस में 26 अक्टूबर को सफाई कर रही महिला कर्मचारियों को काम में तेजी लाने के लिए कहा गया इस पर कुछ महिलाओं ने मासिक धर्म आने का हवाला देकर कुछ रियायत देने की अपील की। सुपरवाइजर ने इस पर नाराज होकर अपने संबंधित अधिकारी को शिकायत की उसके बाद महिलाओ की जांच के निर्देश दिए इस पर एक महिला कर्मचारियों ने उनके अन्तः वस्त्र जांच उनके सेनेटरी पैड की फोटो तक ली गई। यह बेहद निंदनीय और शर्मनाक घटना है। यह इस बात को प्रमाणित करती है कि किस प्रकार से अस्थाई ओर कच्चे रोजगार में ठेकेदार/मालिक किस हद तक उत्पीड़न और शर्मनाक कार्यवाही पर उतर सकते हैं जिसका पूरे हरियाणा भर में गुस्सा है और दलित व महिला विरोधी मानसिकता रखने वाले ठेकेदार व उसके गुंडो पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हैं। मौके ज्योति, नेहा ,चंद्रपति ,नूतन ,रामकली ,सरोज मुकेश ,रोशनी मौजूद रहे।

कैथल। छोटू राम चौक पर प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

जींद। महामहिम राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होते अंशिका आर्या। फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रपति ने अंशिका को किया सम्मानित

जींद। वार्ड नंबर 21 से जिला पार्षद हैप्पी कालवा की भतीजी अंशिका आर्या को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। पिता रोहताश आर्य ने बताया कि अंशिका ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार से बीए योग विज्ञान व संस्कृत में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। इसमें 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विगत पांच वर्षों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बेटी ने पतंजलि विश्वविद्यालय मे पढ़ते हुए बहुत सी प्रतियोगितीओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बेटी को अष्टाध्यायी, योगदर्शन, सांख्यकारिका, ईशोपनिषद, केनोपनिषद, कठोपनिषद, मुंडकोपनिषद, मांडूक्योपनिषद एवं श्वेताश्वतर उपनिषद आदि शास्त्र कणठस्थ हैं। इन्होंने कालवा गुरुकुल में हुई अष्टाध्यायी प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर पाणिनीय उपाधि प्राप्त की है। इस अवसर पर योग गुरु बाबा रामदेव, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आचार्य बालकृष्ण मौजूद रहे।

दो पिस्तौल-तीन जिंदा कारतूस के साथ दो चढ़े पुलिस के हत्थे

जींद। एसटीएफ हिसार ईकाई ने गांव बड़ौदा के निकट दो युवकों को काबू कर उनके कब्जे से दो पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। उचाना थाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों युवकों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। हिसार एसटीएफ कर्मी गांव खटकड़ से नरवाना रोड पर गश्त कर रहे थे। गांव बड़ौदा के निकट रजबाहे पर खड़े युवक पुलिस पार्टी को देख कर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दोनों युवकों को काबू कर लिया। जब पहले युवक की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। जिसकी पहचान गोहाना निवासी रोबिन की के रूप में हुई। जबकि दूसरे युवक की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

हेरोइन के साथ कार सवार तीन तस्कर दबोचे, पूछताछ जारी

कार में 15.50 ग्राम हेरोइन लेकर जा रहे थे आरोपित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआईए स्टाफ नरवाना ने कार सवार तीन युवकों को काबू कर उनके कब्जे से 15.50 ग्राम हैरोइन बरामद की है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपितों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ नरवाना को सूचना मिली थी कि 3 नशा तस्कर चमेला कालानी नरवाना में आए हुए हैं। जो नशा लेकर कार से बाईपास की तरफ आएंगें। सूचना के आधार पर पुलिसकर्मियो ने मितासो स्कूल के निकट आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद चमेला कालोनी की तरफ से कार आई। पुलिसकर्मियों ने कार को रूकवा कर उसमें सवार लोगों की तलाशी ली तो उनके कब्जे से हैरोइन बरामद हुई। जिसका वजन 15.50 ग्राम पाया गया। पुलिस पूछताछ में कार सवार युवकों की पहचान खेड़ी जट्ट झज्जर निवासी अमित, सुमित तथा गांव बरौणा निवासी हरेंद्र के रूप मे हुई। शहर थाना नरवाना पुलिस ने पकड़े गए तीनों युवकों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

राज्यपाल ने कैथल में की अधिकारियों के साथ बैठक

हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

योजनाओं के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने शनिवार को चंडीगढ़ जाते समय पूंडरी के लोक निर्माण विश्राम गृह में संक्षिप्त ठहराव किया। इस दौरान उन्होंने जिले के अधिकारियों के साथ बैठक की और केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं के अंतर्गत हुए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की। साथ ही जिले में चल रहे स्कूल, कालेज एवं विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी ली। जिला में पहुंचने पर विधायक सतपाल जांबा, डीसी प्रीति, पुलिस अधीक्षक उपासना, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार ने महामहिम राज्यपाल का स्वागत किया। इस मौके पर महामहिम राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष भी मौजूद रही। महामहिम राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सरकार द्वारा लागू की गई हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक हर हाल में पहुंचना चाहिए। अगर इस सिद्धांत के आधार पर काम किया जाए तो प्रदेश में और अधिक खुशहाली आएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को जनहित के कार्यों में पारदर्शिता और तेजी बनाए रखने के निर्देश दिए।

पूंडरी। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष अधिकारियों की मीटिंग लेते हुए।

डीसी ने रिपोर्ट प्रस्तुत की

इस मौके पर पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने अपने विधानसभा क्षेत्र की उन्नति एवं प्रगति को लेकर चर्चा की। वहीं डीसी प्रीति ने जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो एवं योजनाओं के क्रियान्वयन संबधित रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्यपाल का यह अल्प-ठहराव प्रशासनिक कार्यो की गति को परखने और जमीनी स्तर पर जनता की समस्याओं को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय, आपको ग्रोथ ऑप्शन और डिविडेंड ऑप्शन में से एक का चयन करना होता है। ये दोनों ऑप्शन आपके निवेश के उद्देश्य और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करते हैं।

म्यूचुअल फंड के ग्रोथ या डिविडेंड ऑप्शन में से बेहतर क्या और क्यों?

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के लिए क्या रहेगा फायदे का सौदा ग्रोथ और डिविडेंड किसमें मिलेगा ज्यादा फायदा, फैसला गलत हो जाए तो कैसे स्विच करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कई बार निवेशकों को यह कनफ्यूजन हो सकता है कि किसी स्कीम का ग्रोथ ऑप्शन चुनें या डिविडेंड ऑप्शन बेहतर रहेगा? सही ऑप्शन का चुनाव आपके रिटर्न को बढ़ा सकता है, जबकि गलत सेलेक्शन से आपका मुनाफा घट सकता है। यही वजह है कि समझदारी से लिया गया फैसला आपके इनवेस्टमेंट की ग्रोथ को कई गुना बढ़ा सकता है। आमतौर पर ग्रोथ विकल्प बेहतर होता है, क्योंकि यह लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज के कारण अधिक धन बनाता है, जबकि डिविडेंड विकल्प उन निवेशकों के लिए बेहतर है जो नियमित आय चाहते हैं। ग्रोथ में, फंड लाभ को फिर से निवेश करता है, जिससे निवेश का मूल्य समय के साथ बढ़ता है, जबकि डिविडेंड में, फंड आय वितरित करता है, जिससे चक्रवृद्धि ब्याज का प्रभाव कम हो जाता है। आइए इस रिग्र्ट में जानते हैं दोनों ऑप्शंस का फर्क, फायदे और स्विच करने के नियम।

ग्रोथ ऑप्शन के फायदे

म्यूचुअल फंड के ग्रोथ ऑप्शन में आपके निवेश पर जो भी मुनाफा बनता है, वो आपको कैश में नहीं दिया जाता है, बल्कि, वह पैसा दोबारा उसी म्यूचुअल फंड फिर से इनवेस्ट कर दिया जाता है। इसका फायदा यह होता है कि आपके मुनाफे पर भी मुनाफा जुड़ने लगता है, जिससे कंपाउंडिंग का बेनिफिट मिलता है। समय के साथ कंपाउंडिंग की यह ताकत आपकी पूंजी को तेजी से बढ़ाने में मदद करती है. यही वजह है कि ग्रोथ ऑप्शन में फंड की नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी ज्यादा तेजी से बढ़ती है।

डिविडेंड ऑप्शन क्या है

पहले जिसे डिविडेंड ऑप्शन कहा जाता था, उसे अब 'इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल' ऑप्शन यानी आईडीसीडब्ल्यू का नाम दे दिया गया है। इसमें फंड से मिलने वाला मुनाफा समय-समय पर निवेशकों में बांट दिया जाता है। हालांकि पेआउट की यह फ्रीक्वेंसी फिक्स नहीं होती, लेकिन जब भी ऐसा भुगतान किया जाता है, फंड की एनएवी घट जाती है। इसका मतलब है कि लंबे समय में आपकी पूंजी उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाती जितनी ग्रोथ ऑप्शन में बढ़ सकती है। सेबी ने डिविडेंड ऑप्शन का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू इसलिए रखा, ताकि निवेशकों को यह समझ में आए कि इस पेआउट में कुछ हिस्सा आपकी अपनी पूंजी से निकलता है. यह कोई गारंटीड इनकम जैसा

विकल्प नहीं हैं।

कौन सा विकल्प सही

ग्रोथ और डिविडेंड ऑप्शन में आपके लिए कौन सा विकल्प सही है, यह पूरी तरह आपके आर्थिक लक्ष्य और निवेश के मकसद से तय होता है। अगर आप रिटायर्ड हैं या किसी वजह से रेगुलर इनकम (आपके लिए जरूरी है, तो आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन आपके लिए बेहतर हो सकता है, लेकिन अगर आप लंबी अवधि के लिए पैसे लगा रहे हैं और चाहते हैं कि आपका पैसा लगातार बढ़ता रहे, तो ग्रोथ ऑप्शन सही रहेगा। लंबे समय में देखा जाए तो ग्रोथ ऑप्शन आमतौर पर बेहतर रिटर्न देता है, क्योंकि इसमें कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। वहीं, आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन उन निवेशकों के लिए है जो समय-समय पर पैसा निकालना चाहते हैं और रेगुलर इनकम चाहते हैं।

गलत विकल्प चुन लिया हो तो क्या करें?

म्यूचुअल फंड में सही ऑप्शन चुनना उतना ही जरूरी है जितना सही फंड चुनना. दोनों की अपनी-अपनी खूबियां और सीमाएं हैं।

कई निवेशक शुरुआत में रेगुलर इनकम पाने के लिए या किसी कनफ्यूजन की वजह से आईडीसीडब्ल्यू चुन लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें महसूस होता है कि अगर उनका पूरा मुनाफा फंड में ही दोबारा निवेश होता, तो लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिल सकता था। ऐसा होने पर निवेशक अपने पैसों को ग्रोथ ऑप्शन में स्विच कर सकते हैं, लेकिन उससे पहले म्यूचुअल फंड पर लागू होने वाले टैक्स के नियमों और एग्जिट लोड के असर को समझना जरूरी है।

आईडीसीडब्ल्यू से ग्रोथ ऑप्शन में कैसे स्विच करें

अगर आप अपने म्यूचुअल फंड इनवेस्टमेंट को डिविडेंड या आईडीसीडब्ल्यू ऑप्शन से ग्रोथ ऑप्शन में स्विच करना चाहते हैं, तो इसके लिए एक फॉर्म भरना होता है। फंड स्विचिंग की यह प्रॉसेस आमतौर पर 24 घंटे में पूरी हो जाती है, लेकिन याद रखें कि इस तरह का स्विच रिडेम्पशन और नई खरीदारी दोनों ही माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको यूनिट होल्ड करने की अवधि के हिसाब से एग्जिट लोड और कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ सकता है। इसलिए फैसला करने से पहले पूरी टैक्स देनदारी को जरूर समझ लें।

निवेश का उद्देश्य लंबी अवधि के लिए पूंजी की वृद्धि

डिविडेंड : डिविडेंड का भुगतान नहीं किया जाता है, बल्कि इसे फंड में पुनर्निवेश किया जाता है।
निवेश की वृद्धि : निवेश की वृद्धि होती है, जिससे आपका मूल निवेश बढ़ता है।
कर लाभ : ग्रोथ ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान नहीं किया जाता है।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

डिविडेंड ऑप्शन

- **निवेश का उद्देश्य :** नियमित आय प्राप्त करना।
- **डिविडेंड :** डिविडेंड का भुगतान किया जाता है, जिससे आपको नियमित आय मिलती है।
- **निवेश की वृद्धि :** निवेश की वृद्धि कम होती है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।
- **कर लाभ :** डिविडेंड ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ नहीं मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।

कब ग्रोथ ऑप्शन चुनें

- **लंबी अवधि के निवेशक :** यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और पूंजी की वृद्धि करना चाहते हैं।
- **नियमित आय की आवश्यकता नहीं :** यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता नहीं है और आप अपने निवेश को बढ़ाना चाहते हैं।

कब डिविडेंड ऑप्शन चुनें

- नियमित आय की आवश्यकता : यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता है और आप अपने निवेश से आय प्राप्त करना चाहते हैं।
- अल्पकालिक निवेशक : यदि आप अल्पकालिक निवेश करना चाहते हैं और नियमित आय प्राप्त करना चाहते हैं।

गलत फंड चुनने से बचना चाहते हैं तो निवेश से पहले जान लें ये टिप्स

- बाजार में मौजूद 250 से ज्यादा ईटीएफ में से अपने लिए सही फंड चुनना आसान नहीं
- लक्ष्य और कुछ बातों को ध्यान में रखेंगे तो सही फंड में निवेश करना आसान हो जाएगा

अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती
अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका रिटर्न पर बुरा असर पड़ेगा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। वजह साफ है। ईटीएफ बेहद कम खर्च में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने का मौका देते हैं। इसके साथ ही उन्हें एक्सचेंज पर जाकर स्टॉक्स की तरह आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है, लेकिन बाजार में 250 से ज्यादा ईटीएफ मौजूद हैं। ऐसे में अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती हो सकता है। अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका आपके रिटर्न पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप अपने निवेश के लिए सही ईटीएफ चुनना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ ऐसे ही टिप्स जो आपको सही फंड चुनने में मदद करेंगे।

आपका ईटीएफ किस इंडेक्स को ट्रैक करता है

हर ईटीएफ किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करता है। यानी आप इनडायरेक्ट तौर पर उस इंडेक्स में शामिल कंपनियों या एसेट्स में निवेश कर रहे होते हैं। मसलन, अगर आपका ईटीएफ निफ्टी 50 या सेंसेक्स को फॉलो करता है, तो आप उनके जरिये देश की टॉप कंपनियों की हिस्सेदारी खरीद रहे होते हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि आपका चुना हुआ ईटीएफ किस इंडेक्स से जुड़ा है और क्या वह आपके निवेश के उद्देश्य से मेल खाता है। सही इंडेक्स का चुनाव लंबे समय में बेहतर रिटर्न की दिशा तय करता है।

ट्रैकिंग एरर पर रखिए खास नजर

हर ईटीएफ कोशिश करता है कि वह अपने बेंचमार्क इंडेक्स को हूबहू फॉलो करे, लेकिन हर बार ऐसा संभव नहीं होता. इस छोटे फर्क को ही ट्रैकिंग एरर कहा जाता है। अगर यह एरर कम है, तो ईटीएफ अपने इंडेक्स के रिटर्न से काफी हद तक मेल खाता है। वहीं, अगर ट्रैकिंग एरर ज्यादा है, तो आपके रिटर्न उम्मीद से कम हो सकते हैं। इसलिए हमेशा ऐसे ईटीएफ को चुनना बेहतर रहता है, जिसका ट्रैकिंग एरर कम से कम हो।

लिक्विडिटी यानी खरीदना-बेचना कितना आसान

निवेश का मकसद सिर्फ रिटर्न पाना नहीं होता, बल्कि आपके पास जरूरत पड़ने पर पैसा निकालने की बेहतर सुविधा होनी भी जरूरी है। इसलिए ईटीएफ की लिक्विडिटी बेहद अहम होती है। अगर किसी ईटीएफ में रोजाना अच्छा कारोबार होता है, यानी खरीदने और बेचने वालों की संख्या काफी है, तो उसे कभी भी बेचना आसान रहेगा, लेकिन अगर फंड का ट्रेडिंग वॉल्यूम कम है, तो आपको जरूरत पड़ने पर कम समय में अपनी यूनिट्स बेचने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा ऐसे ईटीएफ का चुनाव करें जिसे जरूरत पड़ने पर आसानी से खरीदा या बेचा जा सके।

ईटीएफ के प्राइस और एनएवी में फर्क को समझें

ईटीएफ की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) यह बताती है कि उसमें शामिल एसेट्स का मौजूदा मूल्य कितना है। आम तौर पर ईटीएफ का मार्केट प्राइस उसके एनएवी के आसपास होना चाहिए, लेकिन कई बार मार्केट प्राइस इससे काफी ऊपर या नीचे भी ट्रेड करता है। अगर ईटीएफ का प्राइस उसकी एनएवी से काफी ज्यादा है, तो आप जरूरत से ज्यादा पैसे चुका रहे हैं। इसलिए निवेश से पहले हमेशा देखें कि ईटीएफ की कीमत उसकी एनएवी के करीब हो, ताकि आपका पैसा सही वैल्यू पर निवेश किया जा सके।

एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना न भूलें

हर ईटीएफ को चलाने के लिए मैनेजमेंट कॉस्ट लगती है, जिसे एक्सपेंस रेशियो कहा जाता है। इसका आंकड़ा पहली नजर में भले ही बेहद छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में यह आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी ईटीएफ का एक्सपेंस रेशियो 0.05% है और दूसरे का 0.10%, तो शुरुआत में फर्क छोटा दिखेगा, पर साल दर साल यही फर्क आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। इसलिए बाकी बातें समान रहने पर हमेशा उसी ईटीएफ का चुनाव करें, जिसका एक्सपेंस रेशियो कम हो। सही ईटीएफ का चुनाव करना किसी भी निवेशक के लिए बड़ा फैसला होता है, क्योंकि इसी से तय होता है कि आगे चलकर आपका निवेश कितना स्टेबल और फायदेमंद रहेगा।

सही फैसला लें

अगर आप ऊपर बताई गई बातों-बेंचमार्क इंडेक्स, ट्रैकिंग एरर, लिक्विडिटी, प्राइस-एनएवी डिफरेंस और एक्सपेंस रेशियो - को ध्यान में रखकर फंड चुनेंगे, तो सही फैसला लेना आसान होगा। याद रखें, सारे ईटीएफ एक जैसे नहीं होते। इसलिए जल्दबाजी में नहीं, बल्कि समझदारी के साथ सही ईटीएफ चुनें।

क्या है ईटीएफ

ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश उत्पाद है जो शेयर बाजार में ट्रेड किया जाता है। यह एक म्यूचुअल फंड की तरह होता है, लेकिन इसे शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है जैसे कि शेयर।

ईटीएफ की विशेषताएं

1. **ट्रेडेबिलिटी :** ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
2. **डाइवर्सिफिकेशन :** ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर, बॉन्ड, या अन्य सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
3. **लो कॉस्ट :** ईटीएफ की फीस आम तौर पर म्यूचुअल फंड की तुलना में कम होती है।
4. **ट्रांसपेरेंसी :** ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के प्रकार

1. **इक्विटी ईटीएफ :** ये ईटीएफ शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
2. **बॉन्ड ईटीएफ :** ये ईटीएफ बॉन्ड में निवेश करते हैं।
3. **सेक्टोरल ईटीएफ :** ये ईटीएफ विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।
4. **इंटरनेशनल ईटीएफ :** ये ईटीएफ विदेशी शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
5. **गोल्ड ईटीएफ :** ये ईटीएफ सोने में निवेश करते हैं।

ईटीएफ के लाभ

1. **डाइवर्सिफिकेशन :** ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर या सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
2. **लो कॉस्ट :** ईटीएफ की फीस आम तौर पर कम होती है।
3. **ट्रेडेबिलिटी :** ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
4. **ट्रांसपेरेंसी :** ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के जोखिम

1. **मार्केट जोखिम :** ईटीएफ के मूल्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है।
2. **लिक्विडिटी जोखिम :** ईटीएफ की लिक्विडिटी कम हो सकती है।
3. **ट्रैकिंग एरर :** ईटीएफ का प्रदर्शन उसके अंडरलाइंग इंडेक्स के प्रदर्शन से भिन्न हो सकता है।

आय का मुख्य स्त्रोत आप खुद हैं या परिवार पर आपकी जिम्मेदारी तो यह सही कदम

कई बार बैंक सिर्फ अपने कमीशन के लिए भी लोन इंश्योरेंस बेचते हैं

एजेंट की बातों से न हों कनफ्यूज, लोन का इंश्योरेंस का कदम सही या गलत ऐसे समझें

सलाह
बिजनेस डेस्क

जब आप कोई लोन लेते हैं, तो बैंक या एजेंट अक्सर लोन इंश्योरेंस लेने की सलाह देते हैं, लेकिन क्या वाकई इसकी जरूरत होती है? हर स्थिति में नहीं। लोन इंश्योरेंस समझदारी का कदम तब है जब आपकी आय का मुख्य स्त्रोत आप खुद हैं या परिवार पर आपकी जिम्मेदारी है, लेकिन कई बार बैंक सिर्फ अपने कमीशन के लिए भी इसे बेचते हैं। इसलिए आप एजेंट की बातों के कनफ्यूज न हों और अपने लिए सही विकल्प चुनें। तभी आप लोन लेकर खुद को सुरक्षित कर सकते हैं, वरना कई यह आपके गले की फांस भी बन सकता है। अक्सर जब आप बैंक या एनबीएफसी से पर्सनल लोन, होम लोन या कार लोन लेने जाते हैं, तो एजेंट आपको एक और प्रोडक्ट बेचने की कोशिश करता है- लोन इंश्योरेंस वह कहता है कि अगर किसी वजह से आप लोन नहीं चुका पाए तो यह इंश्योरेंस आपकी ईएमआई भर देगा या आपके परिवार पर बोझ नहीं डालेगा। पहली नजर में यह बात सही लगती है, लेकिन असल में हर बार लोन इंश्योरेंस लेना फायदेमंद नहीं होता है। कई बार यह सिर्फ बैंक या एजेंट का कमिशन कमाने का तरीका होता है। इसलिए बिना समझे इंश्योरेंस खरीदना नुकसानदायक हो सकता है।

लोन इंश्योरेंस होता क्या है?

लोन इंश्योरेंस एक ऐसी पॉलिसी होती है जो यह सुनिश्चित करती है कि अगर किसी वजह से लोन लेने वाला व्यक्ति ईएमआई नहीं भर पाता, तो इंश्योरेंस कंपनी बाकी ईएमआई का भुगतान करेगी। इसका मकसद बैंक या लेंडर को डिफॉल्ट रिस्क से बचाना होता है, लेकिन ध्यान दीजिए कि यह सुरक्षा आपके परिवार के लिए नहीं, बल्कि बैंक के लिए होती है। यानी बैंक को तो उसका पैसा मिल जाता है, पर आपके परिवार को सीधा फायदा नहीं होता।

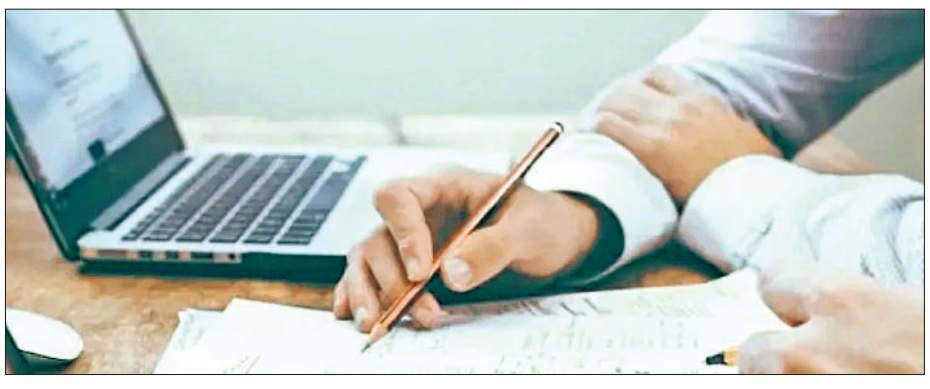

कब जरूरी है लोन इंश्योरेंस?

हर लोन के साथ इंश्योरेंस जरूरी नहीं, लेकिन कुछ परिस्थितियों में यह समझदारी भरा कदम हो सकता है।

1. **होम लोन या बड़ी रकम वाला लोन :** अगर आपने लंबी अवधि के लिए होम लोन या बिजनेस लोन लिया है, तो इंश्योरेंस आपको और परिवार को राहत दे सकता है।
2. **अगर आप सोल ब्रेडविनर हैं :** अगर परिवार में कमाने वाले आप ही हैं और किसी कारणवश आपकी मृत्यु हो जाए या नौकरी छूट जाए, तो यह पॉलिसी बाकी लोन चुका सकती है।
3. **अगर आपका प्रोफेशन रिस्की है :** जो लोग खतरनाक कामों में हैं या फिर मेडिकल इंडस्ट्री में हैं, तो उनके लिए यह इंश्योरेंस जरूरी है।

कब नहीं लेना चाहिए लोन इंश्योरेंस?

कई बार बैंक या एजेंट आपको डर दिखाकर यह पॉलिसी थमा देते हैं, लेकिन हर केस में इसकी जरूरत नहीं होती।

1. **अगर आपके पास लाइफ इंश्योरेंस पहले से है :** अगर आपके पास पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस है, तो अलग से लोन इंश्योरेंस लेने की जरूरत नहीं है। आपका टर्म प्लान परिवार को पूरी सुरक्षा देता है।
2. **अगर लोन छोटी अवधि का है :** जैसे पर्सनल लोन 1-2 साल के लिए हो या कार लोन बहुत छोटी रकम का हो, तो उस पर इंश्योरेंस का प्रीमियम देना बेकार है।
3. **अगर ईएमआई आपकी इनकम का छोटा हिस्सा है :** जब ईएमआई आपकी इनकम का सिर्फ 10-15% हो, तो अतिरिक्त इंश्योरेंस का खर्च आपकी जेब पर बोझ बन सकता है।

एजेंट से कनफ्यूज ना हों

एजेंट या बैंक अधिकारी कई बार कहते हैं कि बिना इंश्योरेंस लोन अप्रूव नहीं होगा, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। आरबीआई और इरडा दोनों ने साफ किया है कि लोन इंश्योरेंस कभी भी अनिवार्य नहीं होता। अक्सर ग्राहक कनफ्यूज होकर पॉलिसी ले लेता है, जो बाद में बेकार साबित होती है।

कितना होता है लोन इंश्योरेंस का प्रीमियम?

अगर आप 10 लाख रुपये का लोन करीब 5 साल के लिए लेते हैं तो उस पर आपको 10-12 हजार रुपये का इंश्योरेंस प्रीमियम लग सकता है। यह प्रीमियम कम-ज्यादा हो सकता है और आप इस पर बारगेनिंग भी कर सकते हैं। यह प्रीमियम या तो आपसे एकमुश्त लिया जाता है या लोन राशि में जोड़ दिया जाता है। मतलब, कुछ मामलों में आप उसके ऊपर भी ब्याज चुकाते हैं।

क्या लोन इंश्योरेंस टैक्स बेनिफिट देता है?

कुछ लोन इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स बेनिफिट मिल सकता है, लेकिन यह इंश्योरेंस के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर पॉलिसी लाइफ इंश्योरेंस कैटेगरी में आती है, तो सेक्शन 80सी के तहत छूट मिल सकती है, लेकिन अगर यह केवल क्रेडिट प्रोटेक्शन पॉलिसी है, तो टैक्स बेनिफिट नहीं मिलता।

सही निर्णय कैसे लें?

1. **तुलना करें :** विभिन्न इंश्योरेंस कंपनियों के प्रीमियम और कवरेज की तुलना करें।
2. **एजेंट की बातों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें :** हर सलाह के पीछे कमीशन छिपा हो सकता है।
3. **अपनी जरूरत देखें :** अगर आपका लोन छोटा है या पहले से टर्म इंश्योरेंस है, तो अतिरिक्त इंश्योरेंस की जरूरत नहीं।
4. **पॉलिसी डॉक्युमेंट पढ़ें :** साइन करने से पहले उसके सभी दस्तावेजों को जरूर समझें। यानी किन परिस्थितियों में क्लेम नहीं मिलेगा।

लोन इंश्योरेंस एक अच्छा सेफ्टी नेट

लोन इंश्योरेंस एक अच्छा सेफ्टी नेट है, लेकिन हर किसी के लिए जरूरी नहीं। अगर आपके ऊपर बड़ा लोन है, परिवार आप पर निर्भर है या आपकी हेल्थ रिस्की है, तो इसे लेना समझदारी है, लेकिन अगर आपका लोन छोटा है, ईएमआई कंट्रोल में है और टर्म इंश्योरेंस पहले से है, तो एजेंट की बातों में आकर इंश्योरेंस लेने की जरूरत नहीं। हमेशा याद रखें कि लोन इंश्योरेंस बैंक के लिए सुरक्षा है, आपके लिए नहीं।

खबर संक्षेप

डीएवी स्कूल में शुभकामना महायज्ञ का किया आयोजन

नरवाना। डीएवी पब्लिक स्कूल में आज सूर्यकांत शर्मा के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश नियुक्त होने पर शुभकामना महायज्ञ का आयोजन किया गया एजिसमें विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा एवम् समस्त स्टाफ सदस्यों ने उनके स्वस्थ्य दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु परमपिता परमात्मा से मंगल कामना करते हुए महायज्ञ में आहुति डाली।

रैली में बढ़चढ़ कर भाग लेंगे सफाईकर्मी आज

जींद। आल सफाई कामगार संघर्ष समिति हरियाणा के आह्वान पर रविवार को कुरूक्षेत्र के पिपली में होने वाली महापुकार रैली में जींद से सफाई कर्मचारी भाग लेंगे। यह रैली प्रदेश के सफाई कर्मचारियों के सम्मान हक और विश्वासघात के खिलाफ ऐतिहासिक साबित होने जा रही है। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा संबंधित सीटू के जिला प्रधान गुलाब बिरौली और जिला सचिव पवन कुमार ने बताया 15 दिनों से चले संपर्क अभियान में जींद जिले के हर ब्लॉक के सैकड़ों गांवों में पहुंच कर कर्मचारियों को जागृत किया गया।

डीएन मॉडल स्कूल में चतुर्थ कर्मी सेवानिवृत्त

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ओमप्रकाश की सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कर्मचारी ने लगभग 24 साल तक डीएन मॉडल स्कूल में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने एक आदर्श, कर्मठ, सहनशील एवं ईमानदार कर्मचारी के के रूप में कार्य किया।

जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

जींद। राजकीय महाविद्यालय अलेवा में प्लेसमेंट सेल, एनएसएस इकाई, साइंस सोसाइटी, नशा विरोधी सेल तथा लीगल लिटरेसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में हरकोफेड के सहयोग से युवा कौशल एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मनीष कुमार ने की। अवसर पर सभी ने नशा मुक्त भारत का संकल्प लेते शपथ ग्रहण किया।

छह किसानों के खेतों से बिजली की मोटरें चोरी

जींद। गांव मुआना खेतों से बीती रात चोरों ने छह बिजली मोटरों को चोरी कर लिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। मुआना निवासी देवीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खेत तथा पांच अन्य पड़ोसियों के खेतों से मोटरों को चोरी कर लिया। घटनाओं का सुबह पता चला जब वे खेतों में पहुंचे। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांव बहादुरपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर कालेज के निकली थी।

छिब्बर को श्रद्धांजलि देने के लिए सुखमनी पाठ आज

जींद। धर्म पर न्योछावर होने वाले भाई मती दास छिब्बर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए नौ नवंबर रविवार को सुबह रेलवे रोड स्थित दवाइयों की फैक्टरी के पास बजे सुखमनी साहब के पाठ का आयोजन किया जाएगा। अशोक छिब्बर ने बताया कि सुखमनी साहिब के पाठ के बाद लंगर का आयोजन किया जाएगा।

विवाहिता दो बेटों संग हुई घर से लापता

कैथल। पुलिस थाना सीवन क्षेत्र के एक गांव से एक विवाहिता अपने दो बेटों के साथ बिना बताए घर से चली गई। इस संबंध में गांव ककहेडी के एक व्यक्ति ने सीवन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 नवंबर को प्रात करीब 10:00 बजे उसकी पत्नी अपने दो बेटों के साथ बिना बताए घर से चली गई तथा अब तक वापस घर नहीं लौटी।

कलायत के नव नियुक्त भाजपा प्रभारी ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

पीएम-सीएम की अगुवाई में हर वर्ग का हो रहा विकास: विधायक

विधानसभा स्तर की तर्ज पर बूथ और मंडल स्तर पर बैठकें आयोजित होंगी

संगठन को मजबूती देते कार्यकर्ताओं के सम्मान को कायम रखना लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत। स्थित अग्रवाल धर्मशाला में विधानसभा प्रभारी देवेंद्र अत्री व पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा का संयुक्त रूप से स्वागत करते भाजपा मंडल अध्यक्ष।

कलायत। आयोजित बैठक में मौजूद कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

कलायत के नव नियुक्त भाजपा प्रभारी एवं उचाना विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व का लक्ष्य संगठन को मजबूती देते कार्यकर्ताओं के सम्मान को कायम रखना है। इसके लिए विधानसभा स्तर की तर्ज पर बूथ और मंडल स्तर पर बैठकें आयोजित होंगी। इससे हर छोटी-बड़ी समस्याएं पार्टी के संज्ञान में आएंगी और विकसित भारत के सपने को पूरा करने की राहें तैयार होंगी। वे शनिवार को कलायत अनाज मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में विधानसभा स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। प्रभारी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हर वर्ग के विकास को लेकर काम किया जा रहा है। इसके चलते ही हर कोई भाजपा की नीतियों के साथ जुड़कर व्यवस्था को मजबूत करने में लगा है। जरूरत एक ऐसी रूप रेखा तैयार करने की है जिसमें पार्टी नीतियों के अनुसार सभी को योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रभारी बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं को कई मंत्र दे गए। पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा की मौजूदगी में परंपरा अनुसार प्रभारी का बूथ, मंडल व जिले के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। मुख्य रूप से संगठन व सरकार के बीच तालमेल बनाकर विकास कार्यों को गति देने एवं समस्याओं के निवारण पर फोक्स रहा।

काफी देर तीखी बहस चली

बैठक में कुछ कार्यकर्ताओं ने गंभीर मुद्दे भी रखे। इसको लेकर काफी देर तीखी बहस चली। विधायक देवेंद्र अत्री व कमलेश ने सुझबुझ का परिचय देते न केवल कार्यकर्ताओं को शांत किया बल्कि समस्या निवारण पर बैठकर चर्चा करने का न्यौता वे दे गए। विधानसभा स्तर की बैठक में पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ने संगठन एवं सरकार की नीतियों अनुसार किए जा रहे कार्यों का क्रमवार उल्लेख किया। ढांडा ने कहा कि कलायत के विकास और समस्याओं के लिए वे सदैव कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के लोगों के बीच मुस्तैद रहेंगी। राहों में कितनी भी मुश्किलें रहें वे इस इयूटि को निरंतर निभाती रहेंगी। उनका ध्येय क्षेत्र का विकास करवाना है। बैठक से पहले कलायत में भाजपा प्रभारी देवेंद्र व पूर्व राज्यमंत्री ढांडा का विभिन्न स्थानों पर अभिनंदन हुआ। इस कड़ी में बाला पट्टी में युवा कार्यकर्ता कुलविंद्र राणा की अगुवाई में भाजपा नेताओं को सम्मान की पगड़ी पहनाई गई। श्री कपिल मुनि ज्योति एवं रत्न केंद्र प्रमुख विशाल शांडिल्य के आवास पर देवेंद्र अत्री को श्री कृष्ण कन्हैया व कमलेश ढांडा को श्रीगणपति की प्रतिमा देकर अतिथि सत्कार किया गया।

जुलाना: मंडी में धान की बंपर आवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना मंडी में आवक तेज होने के परिसर पूरी तरह धान से भर गया है। लगातार बढ़ रही आवक के चलते किसानों की लंबी कतारें मंडी के अंदर और बाहर दोनों ओर देखने को मिलीं। धान से लदे ट्रैक्टर व ट्रॉली की भीड़ के कारण मंडी के बाहर करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हालात को देखते हुए पुलिस को मौके पर तैनात किया गया। जिन्होंने यातायात व्यवस्था को संभालते हुए जाम खुलवाने का काम शुरू किया। मंडी को आवक तेज होने के कारण रविवार को बंद किया जाएगा। मंडी से केवल उठान का काम किया जाएगा।

जुलाना। मंडी के बाहर लगी ट्रैक्टर ट्रॉलियों की लाइनें। *फोटो :हरिभूमि*

उठान कार्य सुचारु रूप से जारी

इस सीजन में अब तक कुल 5,86,705 क्विंटल धान मंडी में पहुंच चुका है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है। सबसे ज्यादा आवक बासमती (1121 किस्म) की रही। इस समय धान की आवक चरम पर है। जिसके कारण खरीद एजेंसियों और आढ़तियों पर काम का दबाव बढ़ गया है। मंडी में धान के दाम 3310 से 4105 रुपये प्रति क्विंटल तक चल रहे हैं। वहीं 1509 किस्म की आवक 140 क्विंटल रही। जिसका रेट 2810 से 3010 रुपये प्रति क्विंटल रहा। जुलाना मार्केट कमेटी सचिव कोमिला ने बताया कि मंडी में उठान कार्य सुचारु रूप से जारी है। अब तक लगभग 4.86 लाख क्विंटल धान का उठान किया जा चुका है। मंडी में किसानों के लिए बिजली पानी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

कैथल। प्रदर्शनी में अपने मॉडलों को दिखाते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

न्यूटन स्कूल ने लगाई मॉडल प्रदर्शनी

कैथल। न्यूटन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक निर्देशक एवं भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रवीण प्रजापति ने किया। कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों की प्रतिभा मे निखार आता है उनकी विषयों को और अधिक गहराई से जानने समझने की उत्सुकता बढ़ती है ८ मॉडल के माध्यम से बड़े प्रोजेक्ट को आसानी से दिखाया समझाया जा सकता है। कहा कि समय समय पर विद्यालय में ऐसे आयोजन होते रहते हैं। विद्यार्थियों और अध्यापकों की इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सराहना की, प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित, हिन्दी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान सहित अन्य विषयों के मॉडल बनाकर प्रस्तुत किये और मॉडल के माध्यम से विज्ञान के कुछ प्रयोग समझाए। इसी प्रकार गणित के सूत्र किस प्रकार से कार्य करते है व उनके प्रयोग बताये, हिन्दी में मात्रा खिड़की, स्वर ज्ञान, व्याकरण से संबधित मॉडल प्रदर्शित किये, अंग्रेजी भाषा को भी सरलता से किस प्रकार बोला जा सकता है। मॉडल के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत किये, राजनीति विज्ञान से संबंधित संसद भवन का मॉडल प्रस्तुत कर लोकसभा और राज्य सभा को प्रदर्शित किया व उनके कार्यों को विस्तार से बताया, विद्यार्थियों के अभिभावकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनके द्वारा बनाये गए मॉडल की सराहना की।

उचाना: पीआर धान 1121 की आवक बीते साल से अधिक

उचाना। पीआर 1121 धान की आवक बीते साल से अधिक है तो धान 1509 की आवक बीते साल से कम हुई है। मार्केट कमेटी में दर्ज आंकड़ों के अनुसार सात नवंबर तक मंडी में 174305 क्विंटल पीआर धान की आवक हुई। बीते साल इन दिनों तक 110814 क्विंटल आवक हुई थी। इस साल 63491 क्विंटल अधिक पीआर धान आई है। 1121 धान अब तक 192523 क्विंटल हो चुकी है। बीते साल इन दिनों 103270 क्विंटल हुई थी। धान 1509 अब तक 80447 क्विंटल आई है। बीते साल 98470 क्विंटल आई थी। इस साल 18023 क्विंटल कम आवक हुई है। मार्केट कमेटी सचिव योगेश गुप्ता ने बताया कि पीआर धान, धान 1121 अब तक बीते साल से अधिक मंडी पहुंची है।

मजदूर की बेटी की शादी में दिया दान

उचाना। उचाना मंडी की नंदीशाला में मजदूरी का कार्य करने वाले परिवार की बेटी की शादी में समाज सेवी लोगों द्वारा दिल खोकर कर दान दिया। शनिवार को हुई शादी में सामाजिक संगठन, समाज सेवी लोगों ने फर्नीचर सहित जो-जो सामान बेटी की शादी में दिया जाता है वो दिया। नंदीशाला में आयोजित विवाह कार्यक्रम में यूपी से आई बारात के लिए ठहरने खाने की व्यवस्था की गई। नंदीशाला समिति के पदाधिकारी सदस्यों के अलावा गोभक्त, गणमान्य लोग ने पूरा व्यवस्था को लेकर प्रबंधन किया। गोभक्त रामनिवास शर्मा ने जानकारी देते बताया कि कई सालों से यूपी का परिवार नंदीशाला में मजदूरी का कार्य करता है। जिस बेटी की शादी है उसके पिता का निधन हो गया। परिवार के सदस्यों ने बेटी की शादी को लेकर जानकारी दी तो नंदीशाला के अलावा गणमान्य लोगोंए दानी सज्जनों ने पूरा सहयोग शादी में किया जो जरूरतमंद की मदद के लिए मिशाल बनी है। नंदीशाला में मजदूरी करने वाले हमारे लिए ग्वाले हैं। क्योंकि वो ही नंदीशाला में गायों के चारा सहित अन्य कार्य करते है।

उचाना। नंदीशाला में आयोजित शादी समारोह में दिया गया सामान।

उचाना। महिलाओं के साथ उचाना खुर्द गांव में भाजपा नेत्री सुषमा अत्री।

सीएम ने महिलाओं से किया वादा निभायाः अत्री

उचाना। भाजपा नेत्री सुषमा अत्री ने कहा कि जो वायदा प्रदेश की महिलाओं से सीएम नायब सिंह सैनी ने किया था उस वायदे को पूरा करने का काम किया। एक नवंबर से लाडो लक्ष्मी योजना शुरू हुई है। महिलाओं के हितों को लेकर निरंतर भाजपा कार्य कर रही है। सीएम नायब सिंह सैनी की विकास रूपी, जन कल्याणकारी सोच से हर वर्ग प्रभावित है। आज हरियाणा प्रदेश विकास के मामले में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भाजपा जो वायदे करती है वो पूरे करती है। आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। विपक्ष मुद्दा विहीन हो चुका है। कांग्रेस के नेता हर हार के बाद नए बहाने बनाते रहते है। इस बार बिहार चुनाव में हार नजर आ रही है तो पहले से ही तरह.तरह के बहाने बनाने लगे है। बिहार में एनडीए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। यहां पर एनडीए के पक्ष में एक तरफा माहौल बना हुआ है।

केएम गवर्नमेंट कॉलेज में एक्सटेंशन लेक्चर

नरवाना। केएम गवर्नमेंट कॉलेज नरवाना में एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ संयोजक डॉ मीना देवी एवं प्लेसमेंट सेल संयोजक कनिका सिकरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। विस्तार व्याख्यान में कैप्टन डॉ सुनेना सिंह सहायक प्रोफेसर कमला नेहरू कॉलेज दिल्ली विवि मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रही। मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन सेवा में उच्च पदों पर भर्ती सबंधित आदि विषयों पर अपने विचार रखे। अपने व्याख्यान में उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के प्रबंधन सकारात्मक दृष्टिकोण तथा एसएसबी जैसे प्रतिस्पर्धी वातावरण में अधिकारी जैसी योग्यताएँ विकसित करने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार से हमें तुरंत निर्णय लेने की क्षमता साहस और समस्या के समाधान के लिए कार्य करना चाहिए। मानसिक स्थिरता हमें अपने आप को दबाव में शांत रहने और प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए मदद करता है। कार्यक्रम का संचालन राजेश श्योकंद भौतिकी विभाग द्वारा किया गया।

जींद। छात्रा को सम्मानित करते प्राचार्या। *फोटो :हरिभूमि*

नरवाना। कार्यक्रम में भाग लेते प्राध्यापिकाएं। *फोटो :हरिभूमि*

हिंदू कन्या कालेज की गरिमा ने जीता सोना

जींद। हिंदू कन्या कालेज की छात्रा गरिमा ने गुडगांव में आयोजित 27वीं हरियाणा स्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और जींद जिले का नाम रोशन किया। छात्रा के महाविद्यालय पहुंचने पर कॉलेज की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत खिलाड़ी की कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। शारीरिक शिक्षा विभाग की इंचार्ज नीलम ने खिलाड़ी को बधाई दी व शारीरिक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका डा. मीना ने बताया कि गरिमा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत चुकी है। वल्ड यूनिवर्सिटी गेमए वल्ड चैंपियनशिप, जूनियर इंडिया जूनियर एचएफ ट्रॉफी जैसी अनेक टूर्नामेंट में भाग ले चुकी है। महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों को छात्रा की इस उपलब्धि पर गर्व है।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए पेंशनर्ज। *फोटो :हरिभूमि*

पुरानी पेंशन तुरंत लागू की जाए

जींद। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मचारी एसो की बैठक प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन बलबीर सिंह ने किया। बैठक में पुलिस पेंशनर व कर्मचारियों की मांगो को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने मांग की कि पुरानी पेंशन लागू की जाए। सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी कर अमलीजामा दिया जाए ताकि सरकार द्वारा की गई घोषणाएं सिर्फ घोषणाएं न रह जाए। पेंशनरों की उम्र 65-70-75 होने पर 10-15-20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की जाए, जैसा कि अन्य राज्यों मे लागू है। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढा कर तीन हजार किया जाए। क्योंकि बड़ी उम्र में दवाइयों पर ज्यादा खर्च आता है। केंद्र सरकार द्वारा घोषित की गई तीन प्रतिशत महंगाई भत्ते की किश्त हरियाणा सरकार द्वारा भी दी जाए। जो एक जुलाई 2025 से लागू होनी है।

100 मीटर दौड़ में पांचवी का तनिश खान व लड़कियों में टीना प्रथम स्थान पर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

सत्य भारती स्कूल करोड़ा में खेलों का आयोजन किया गया। प्री प्राइमरी से लेकर पांचवी तक के बच्चों ने खेलों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इन खेलों में बच्चों की मेंढक दौड़,100 मीटर दौड़ और 50 मीटर दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई। इसके अलावा खो खो ,कबड्डी और इंडोर गेम करवाए गए।इन खेलों में अभिभावकों ने भी इस खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बच्चों को समय-समय पर प्रतियोगिता करवा कर आगे बढ़ने की अवसर प्रदान किए जाते हैं ताकि पढ़ाई के अलावा खेलों में विद्यार्थी रुचि रखकर अपने मुकाम को आसानी से हासिल कर सकें। स्कूल प्रांगण में चल रही स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थी व अभिभावक काफी उत्साहित नजर आए। अभिभावकों की चम्मच नींबू दौड़,रस्साकस्सी करवाई गई। इसमें निशा प्रथम स्थान पर रही,मोनिया सेकंड स्थान पर रही और राजनी तीसरे स्थान पर रही। इसी तरह 100 मीटर दौड़ में पांचवी क्लास का तनिश खान और लड़कियों में टीना प्रथम स्थान पर रही। इंडोर गेम में भी बच्चों ने अपना-अपना जलवा दिखाया। इस दौरान स्कूल का सारा स्टाफ मौजूद रहा।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के साथ स्कूल स्टाफ सदस्य।

नरवाना। प्रदर्शनी में भाग लेते हुए बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

प्रदर्शनी अत्यंत उत्साह-उल्लास के साथ संपन्न

नरवाना। डीबी के इंटरनेशनल स्कूल में आज वर्ष का सर्वाधिक प्रतीक्षित आयोजन वार्षिक विषय क्लब प्रदर्शनी अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कक्षा नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत इस प्रदर्शनी ने शिक्षा के नवीन स्वरूप को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आजाद बीईओएविशिष्ट अतिथि दिवान बालकृष्ण ने किया। प्रदर्शनी ने दर्शाया कि सीखने की प्रक्रिया केवल चार दीवारों तक सीमित नहीं हैए बल्कि अनुभव सहभागिता और अभिव्यक्ति के माध्यम से भी ज्ञान अर्जित किया जा सकता है। नन्हे विद्यार्थियों ने रचनात्मकता और ज्ञान का परिचय देते अंग्रेजी गणित विज्ञान सामाजिक अध्ययन हिन्दी सूचना प्रौद्योगिकी सहित अनेक विषयों पर मॉडलों चार्टों स्मार्ट बोर्ड प्रेजेंटेशन और कार्यशील मॉडलों के माध्यम से अपनी दक्षता का परिचय दिया।

गांव खरका में पुलिस टीम ने चलाया जागरूकता अभियान

नशे की लत से जुझ रहे युवाओं की काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

थाना गुहला की एसएचओ एसआई रेखा एवं चौकी रामथली प्रभारी एएसआई संजय कुमार अपनी टीम सहित गांव खरका पहुंचे। यहां ग्रामीणों एवं युवाओं को नशा के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया तथा समाज को नशे की बुराई से मुक्त रखने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नशा व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक पतन कर देता है। यह न केवल परिवार को प्रभावित करता है, बल्कि समाज में अपराध, विवाद और आर्थिक नुकसान का भी प्रमुख कारण बनता है। इस दौरान गांव के कुछ ऐसे युवाओं की पहचान की गई जो नशे की लत से जूझ रहे थे। पुलिस टीम द्वारा उन युवकों की काउंसलिंग की गई और उन्हें नशा छोड़ने तथा एक स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि नशा छोड़ने में आने वाली हर कठिनाई में पुलिस और संबंधित विभाग उनकी मदद के लिए सदैव तैयार हैं। एसएचओ एसआई रेखा ने ग्रामीणों से कहा कि नशा तस्करी या नशा सेवन की किसी भी जानकारी को गुप्त रूप से पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि एक सुरक्षित और स्वच्छ समाज तभी संभव है जब परिवार, समाज और पुलिस मिलकर प्रयास करें।

कैथल। थाना गुहला प्रभारी रेखा कस्बावासियों को जागरूक करते हुए।

सुनसान जगह पर नशा करते 4 पकड़े

युवाओं को खेल, शिक्षा और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। डीएसपी गुहला कुलदीप बेनीवाल ने कहा की जिला पुलिस नशा मुक्त वातावरण बनाने के लिए कड़े कदम उठा रही है और ऐसे जागरूकता अभियानों को आगे भी जारी रखा जाएगा ताकि युवाओं को नशे से दूर रखकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। एस एच ओ गुहला एस आई रेखा की टीम द्वारा खरका रोड़ पर एक सुनसान जगह पर 4 नौजवान लड़को को नशा करते हुए पकड़ा गया। पुलिस टीम ने मौके पर ही युवकों से पूछताछ की और नशा करने के दुष्प्रभावों बारे उन्हें जागरूक किया। इसके बाद युवकों की काउंसलिंग की गई ताकि वे नशे की लत से बाहर निकलकर एक स्वस्थ और अनुशासित जीवन की ओर बढ़ सकें। एसएचओ एसआई रेखा ने कहा कि नशा युवाओं का भविष्य खराब कर देता है, इसलिए परिवार और समाज को भी आगे आकर ऐसे मामलों में सहयोग करना चाहिए।

उचाना। चाणक्य स्कूल कसूहन में आयोजित युवा सम्मेलन। *फोटो :हरिभूमि*

आत्मनिर्भर अभियान के साथ जुड़े युवा

उचाना। आत्म निर्भर भारत अभियान के तहत युवा सम्मेलन का आयोजन कसूहन के चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। मंच संचालन कसूहन मंडलध्यक्ष संजय चहल ने किया। अत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए भारत में निर्मित होने वाले सामान की खरीद करें जिससे आसपास के दुकानदारों, किसानों को भी फायदा होगा उनको रोजगार के अवसर प्रदान होंगे जिससे हमारी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होगी। स्वदेशी अपनाने से देश का पैसा देश में ही रहेगा। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घर.घर स्वदेशी हर घर स्वदेशी का नारा दिया है। हमें स्वदेशी को अपनाते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य है। युवाओं को चाहिए कि वो पूरा योगदान भारत को आत्मनिर्भर बनाने में दे। युवा किसी भी अभियान को सफल करने में अहम भूमिका अदा करते है। हर किसी को भारत में निर्मित वस्तुएं खरीदनी है जिसकी सबसे अधिक जिम्मेदारी युवाओं पर है। युवा अधिक से अधिक अभियान के साथ जुड़ते इस अभियान को आगे बढ़ाने का काम करें।

खबर संक्षेप

अभिभावकों ने उकेरे मन के भाव : आधारशिला

जींद। आधारशिला विद्यालय में अभिभावकों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज की। विद्यालय की तरफ से यह माता-पिता के प्यार, सहयोग और मार्ग दर्शन को पहचानने का एक भावनात्मक तरीका था।

5500 तक पहुंचे बासमती धान के दाम

पाई। पाई की अनाज मंडी में किसानों की बारीक किस्म की धान आते ही बिक रही है। मंडी के पूर्व प्रधान रणधीर सिंह फौजी ने बताया की मंडी में मोटी किस्म की धान पहले ही आ चुकी है, अब मंडी में बारीक किस्म धान की आवाक तेजी से हो रही है। मंडी में केवल निर्यातक ही किसानों की यह बारीक धान खरीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंडी में इस समय बासमती किस्म की धान 5500 व 1885 किस्म की धान 3530 तथा 1718 किस्म की धान 3450 रुपए प्रति क्विंटल बिक रही है।

सदभाव यात्रा 11 को नांगल चौधरी से शुरू

उचाना। युवा अग्रवाल समाज प्रधान गौरव बंसल दनौदा की शादी समारोह में पहुंच कर पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, कांग्रेस सांसद जयप्रकाश, सोनीपत सांसद के भाई सहित विभिन्न प्रमुख लोगों ने विवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। यहां बीरेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में सदभाव का संदेश लेकर कांग्रेस विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह की अगुवाई में सदभाव पैदल यात्रा निकला जा रही है। पांच नवंबर को नरवाना हलके के दनौदा गांव के बिनैन खाप के चबतूरे से यात्रा शुरू हुई।

आरटीआई कार्यकर्ता को दी जा रही गलत जानकारी

जुलाना। जुलाना कस्बे के वार्ड 11 निवासी आरटीआई कार्यकर्ता विकास को अधिकारियों ने एक्ट के तहत मांगी गई जानकारियों की बजाए गलत जानकारी दी है। विकास ने अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाया है। विकास ने बताया कि उसने जींद के स्वास्थ्य विभाग से मई 2023 की तारीख दो व तीन के दौरान दो दिन में आए एक्सरे मरीजों के नाम, कार्ड संख्या, एंट्री रजिस्टर के पृष्ठ की छायाप्रति की मांग 11 अगस्त 2025 को आरटीआई के तहत की थी। 30 दिन तक उन्होंने कोई सूचना उपलब्ध नही करवाई गई।

राज्य प्रधान इंद्र सिंह मलिक की अध्यक्षता में रोष बैठक की

मिड-डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

वेतन सात हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये करने की मांग

जींद। मांगों को लेकर मिड-डे मील कर्मियों से ज्ञापन लेते हुए एसडीएम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मिड-डे मील वर्करों ने शनिवार को नेहरू पार्क में मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और ज्ञापन एसडीएम सत्यवान मान को सौंपा। प्रदर्शन से पहले मिड-डे मील वर्करों ने राज्य प्रधान इंद्र सिंह मलिक की अध्यक्षता में रोष बैठक की। उन्होंने कहा कि कि मिड-डे मील वर्कर हरियाणा की ही बहु व बेटियां हैं लेकिन सरकार इनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नही दे रही हैं। उन्होंने मांग की कि मिड-डे मिल वर्करों का वेतन महंगाई को देखते हुए सात हजार रुपये से बढ़ा कर 15 हजार रुपये प्रति माह किया जाए। मिड-डे मिल वर्करों को 10 महीने की बजाए पूरे 12 महीने का वेतन दिया जाए और इसमें किसी प्रकार की कोई कटौती ना की जाए। मिड-डे मील वर्करों को समय पर वेतन नही मिलने के कारण उन्हें काफी परेशानीयों का सामना करना पडता है। इसलिए उनका वेतन हर मीहने की सात तारिख तक उनके खातों में डाल दिया जाए। 60 साल की आयु पूरी होने पर तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता देकर सेवानिवृत किया जाए। डयूटी के दौरान मृत्यु होने पर परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मिड-डे मील वर्कर 100 बच्चों पर दो हैं। अब 100 पर तीन व 200 बच्चों पर पांच कर दी जाएं। मिड डे मील वर्करों को महीने में दो अवकाश प्रदान किए जाएं। जिन स्कूलों में रसोईघर में गैस सिलेंडर की सुविधा नहीं है।

मौजूद रहे

इस मौके पर अनीता, सुनीता, मीना, रेणु, बबली, मीना, रीना, लखविंद्र कौर, ऊषा, मुन्नी, रेखा, शीला सहित अनेक वर्कर मौजूद रही।

महा पुकार रैली मे राज्य के सभी विभागों व प्राइवेट सेक्टर के सफाई और सीवरमैन कर्मचारी भाग लेंगे: शिवचरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा संबधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन संबधित सीटू के नेतृत्व मे बना आल सफाई कामगार संघर्ष समिति के बैनर के ताले हजारो कर्मचारी मुख्य मंत्री कैप कार्यालय पर राज्य स्तरीय महा पुकार रैली की तैयारी को लेकर समिति के राज्य के नेता बसाऊ राम व शिवचरण व मास्टर रामपाल शर्मा, राज्य उपप्रधान राजेन्द्र सिणंद, जयप्रकाश ने कहा कि कल की महा पुकार रैली एक इतिहासिक रैली होगी जिसमे राज्य भर से हजरो की संख्या मे अलग-अलग विभागो के कर्मचारी अपने -अपने बैनर, झंडे लेकर लम्बी कतारों मे रैली स्थल तक पहुंचेगे और उन्होंन आगे कहा कि राज्य मे झूठ फूट व लूट की नीति से तीसरी बार भाजपा सरकार सत्ता मे आई है और अपने 11-साल के कार्यकाल मे लगातार सफाई व सीवरमैन कर्मचारियो की जायज मांगों की अनदेखी करके इनका भारी शोषण व उत्पीड़न कर रही है और अपने 11 साल के कार्यकाल मे एक भी सफाई व सीवरमैन को पक्का नही किया इनसे सफाई अभियान के नाम पर 15 धन्टे लगातार काम लिया जा रहा है। उसके बदले न तो रेस्ट दिया जा रहा ओर न ही ओवर टाइम दिया जा रहा। सफाई व्यवस्था के लिए हाथ व रिक्सा रेहड़ी व सफाई के पूरे उपकरण भी नही दिए जा रहे ओर ना ही सुरक्षा किट दिये जाते। दरोगाओ व कर्मचारियो को हाजिरी बीट ना होने के कारण सड़को पर बैठ कर हाजिरी लगानी पड़ती है। महिला-पुरुष कर्मचारियो को शौचालय ना होने के कारण खुले मे शोच करना पड रहा है। इसको लेकर उच्च अधिकारियो व राज्य सरकार को मांगपत्र भेजकर इन्हे लागू करने की मांग कर चुके हैं। बावजूद इसके राज्य सरकार व उसका प्रसाशन मांगों की अनदेखी करके कर्मचारियो का शोषण व उत्पीड़न कर रहे है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की राज्य सरकार लगातार सफाई व सीवरमैन कर्मचारियो के साथ वादा खिलाफी कर रही है ओर संघ के साथ 9 अक्टूबर 2025 ,7 अगस्त 2024 व 22 अक्टूबर 2022 ओर 2018 मे मानी गई मांगों के परिपत्र जारी नही किए जिसके कारण कर्मचारियों को बार-बार धरना-प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

कैथल। नगर पालिका कर्मचारी संघ की बैठक को संबोधित करते पदाधिकारी।

मौजूद रहे

आज की मीटिंग मे जिला प्रधान गौरव टॉक,महेन्द्र बिड़लान, विक्की टांक, वरिष्ठ उपप्रधान राज कुमार मंचल, कैशियर जगदीश कुमार, उपप्रधान पंकज गिल, सूखा नौच, सलाहकार सुमेश राणा,अमित कुमार, मुकेश कुमार, शीशपाल, बाबूराम दरोगा, सूरज सहोत्रा, अमित कुमार क्योड़क, प्रेस सचिव कपिल कल्याण, विक्की बैद, महिला विंग प्रधान संतरो, विधा रानी, सुरेखा आदि उपस्थित रहे।

कैथल। अव्वल रही छात्राएं प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ के साथ। फोटो : हरिभूमि

डीएवी पब्लिक स्कूल बरारा में प्रतियोगिता आयोजित

ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल की छात्राएं छाईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीएवी पब्लिक स्कूल बरारा में आयोजित आर्य समाज के नियम और व्याख्या प्रतियोगिता में ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल,कैथल की छात्राओं ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त कर ओ एस डीएवी,कैथल के नाम को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में नौवीं कक्षा की छात्रा रुबल मंडल ने प्रथम स्थान तथा कनिष्ठ वर्ग में आठवीं कक्षा के काव्या ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के तीसरे समूह चुनमुन वर्ग में पांचवीं कक्षा के यथार्थ ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने प्रतियोगिता-कार्यक्रम के बारे में बताया कि यह प्रतियोगिता आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, हरियाणा के तत्त्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत डीएवी विद्यालयों-महाविद्यालयों में वैदिक धर्म,संस्कृति-संस्कारों पर आधारित विषय वस्तु को आधार बनाकर प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्य समाज केसिध्दांतों एवं उसकी महान परम्परा से परिचित करवाना व प्राणि मात्र के प्रति कल्याण की भावना-भरना तथा वसुधैव कुटुम्बकम् के पाठ को पढ़ाना है। विजयी प्रतिभागियों को प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

धान अवशेष जलाने के आरोप में किसान नामजद

कैथल। पुलिस थाना कलायत पुलिस ने धान अवशेषों को आग लगाने के आरोप में एक किसान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामला कृषि विभाग के सुपरवाइजर विवेक की शिकायत पर दर्ज किया गया है। इस संबंध में कृषि विभाग कलायत के कृषि सुपरवाइजर विवेक ने कलायत थाना पुलिस दी शिकायत में बताया कि विभागीय टीम द्वारा हरसेक ऐप के माध्यम से पता चला था कि गांव सिणद में एक किसान द्वारा धान अवशेषों में आग लगाई गई है। जैसे ही टीम वहां पहुंची तो किसान अमरीक सिंह के खेतों में धान अवशेष जलाया जाना सही पाया गया। थाना कलायत पुलिस के सब इंस्पेक्टर रवि ने बताया कि पुलिस ने किसान के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमर पब्लिक स्कूल किठाना के प्रीत ने प्रदेश स्तरीय खेलों में बाजी मारी

द्वितीय स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

अमर पब्लिक स्कूल किठाना के विद्यार्थी प्रीत ने प्रदेश स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। जानकारी देते हुए स्कूल प्रधानाचार्या प्रियंका व स्कूल प्रबंधक सरोज ने बताया कि रोहतक में हो रही स्टेट लेवल की प्रतियोगिता में उनके स्कूल के विद्यार्थी प्रीत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। प्रीत ने यह मुकाम हासिल कर अपने स्कूल व अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इसके लिए स्कूल के पीटीआई का विशेष योगदान रहा है, जो बच्चों को खेलों से संबंधित सही जानकारी प्राप्त करके उन्हें नई दिशा दिखा रहे हैं। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्या प्रियंका व प्रबंधक सरोज ने प्रीत व पी टी आई मनदीप को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के जीत हासिल करके आगे बढ़ते हैं।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय फतेहपुर-पूंडरी में इलेक्शन सेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अमिता राणा की अध्यक्षता में सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुई। इसमें छात्राओं एवं सभी स्टाफ सदस्यों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर सहभागिता की। प्राचार्या डॉ. अमिता राणा ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि 'वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह राष्ट्रप्रेम, मातृभूमि के प्रति समर्पण और एकता का प्रतीक है। उन्होंने महाविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय चौधरी ईश्वर सिंह के महान योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर यह संस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के वर्तमान अध्यक्ष चौधरी तेजवीर सिंह के अमूल्य योगदान की भी सराहना की, जिन्होंने संस्थान के विकास और छात्राओं के सर्वांगीण उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कावेरी ने मंच से 'वंदे मातरम' गीत प्रस्तुत किया, जिसमें सभी छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने स्वर मिलाया। छात्राओं नैन्सी और सलोनी ने क्रमशः भाषण एवं कविता के माध्यम से 'वंदे मातरम की महानता का भावपूर्ण वर्णन किया।

■ वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, राष्ट्रप्रेम और एकता का प्रतीक

पूंडरी। कन्या कॉलेज में राष्ट्रीय गीत गाते हुई छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

अमरगढ़ वाला परिवार के दामाद दीपक गुप्ता बने गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन

नरवाना। गांव अमरगढ़ वाले सेठ शरदाराम अमरगढ़ वाला के बेटे स्वर्गीय डॉक्टर जे एन गुप्ता जो कि नेशनल डेयरी इंस्टीट्यूट करनाल में सीनियर साइंटिस्ट थे उनकी बेटीए उनके छोटे भाई राजेंद्र गुप्ताए चंद्रभान गुप्ताए मुकंदी लाल गुप्ता की भतीजी रितु गुप्ता के पति दीपक गुप्ता को भारत सरकार ने गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया का चेयरमैन बनाकर मान.सम्मान बढ़ाया है। दीपक गुप्ता के बाप.दादा मूल रूप से रोहतक के रहने वाले हैं। उनके रिकॉर्ड शानदार एडमिनिस्ट्रेशन ईमानदारीए एडमिनिस्ट्रेशन रुतबाए मेहनतकश छवि को देखते हुए भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री व माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उनकी नियुक्ति की गई। इस नियुक्ति पर जहां पूरे राष्ट्र के गैस अथॉरिटी और उनसे संबंधित सभी डिपार्टमेंट के कर्मचारी बेहद खुश हुए हैं वहीं दीपक गुप्ता के परिवार में उत्सव का माहौल है। राजेंद्र गुप्ता अमरगढ़ वाला ने बताया कि उनके समाधि परिवार में खुशी की लहर है इसी प्रकार हमारे अमरगढ़ वाला परिवार में भी जबरदस्त खुशी की लहर है। इस नियुक्ति के लिए राजेंद्र गुप्ता अमरगढ़ वालाए चंद्रभान गुप्ता अमरगढ़ वालाए मुकंदी लाल अमरगढ़ वालाए रमेश गुप्ता अमरगढ़ वालाए वेद प्रकाश अमरगढ़ वालाए बाबीए विनोद अमरगढ़ वालाए राजकुमारए मुकेशए सतबीरए विकास गुप्ता आदि ने बधाई दी है।

एवी विद्यामंदिर सीसे स्कूल में एडवेंचर कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला चीका

एवी विद्यामंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका में एक दिवसीय एडवेंचर कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप में एवी स्कूल के विद्यार्थियों के साथ-साथ चीका और आसपास के विद्यालयों के छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों के लिए अनेक रोचक और रोमांचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें रॉक क्लाइंबिंग, जिप लाइन, टायर वॉक, नेट क्लाइंबिंग, बैलेंस बीम, कमांडो नेट, ट्रेजर हंट, टीम गेम्स आदि प्रमुख आकर्षण रहे। बच्चों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ सभी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के दादा-दादी को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बच्चों की गतिविधियाँ बड़े उत्साह और खुशी के साथ देखीं तथा पूरे कार्यक्रम का आनंद लिया। उनके चेहरों पर गर्व और प्रसन्नता साफ झलक रही थी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में साहस, टीम वर्क, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि ऐसे एडवेंचर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

गुहला चीका। एडवेंचर कैंप में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कैथल। ग्रामीणों को जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिला कैथल पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिले में जागरूकता गतिविधियों को निरंतर गति दी जा रही है। पुलिस की नशा जागरूकता टीम द्वारा गांवों, स्कूलों, बाजारों तथा सार्वजनिक स्थलों पर युवाओं और आमजन को नशा सेवन के दुष्परिणामों से अवगत करवाते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की जागरूकता टीम में इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार, एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, महिला सिपाही किस्मत व सोनिया, एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार तथा जसविंदर सिंह शामिल हैं। यह टीम शनिवार को कैथल शहर के विभिन्न इलाकों में पहुंची, जहां लोगों को नशे के खतरों बारे समझाया गया। इस दौरान युवाओं को प्रेरक संदेश देते हुए उन्हें जीवन में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्त समाज का निर्माण करने तथा स्वयं नशा न करने व दूसरों को भी इससे दूर रखने की शपथ ली। इस अवसर पर एसपी उपासना ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है।

■ नशा गतिविधियों की सूचना दें मानस हेल्पलाइन नंबर 1933

प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए 15 तक जमा करवाएं आवेदनः डीसी

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। निर्धारित शर्तें और मापदंड पूरे करने वाले व्यक्ति 15 नवंबर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की ओर से वर्ष 2006 में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार नाम से एक योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के जिलों/संगठनों द्वारा किए गए असाधारण और अभिनव कार्यों को स्वीकार करना, मान्यता देना और पुरस्कृत करना है। पुरस्कार प्रथम श्रेणी जिलों का समग्र विकास, द्वितीय श्रेणी आकांक्षी ब्लॉक कार्यपम व तृतीय श्रेणी नवाचार में प्रदान किए जाएंगे।

■ लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए तीन श्रेणियों में दिए जाएंगे पुरस्कार

कार्यक्रम रैली और जनसभाओं के माध्यम से लोगों को जल बचाने का संदेश दिया गया

पहला कदम फाउंडेशन ने जल बचाव अभियान के तहत दिया जल संरक्षण का संदेश

जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण हर नागरिक का कर्तव्य है : राजेश वशिष्ठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पर्यावरण संरक्षण और जल बचाव के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पहला कदम फाउंडेशन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश वशिष्ठ के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक, रैली और जनसभाओं के माध्यम से लोगों को जल बचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान राजेश वशिष्ठ ने कहा कि जल का अत्यधिक दोहन आज एक गंभीर समस्या बन चुका है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी बताया कि पहला कदम फाउंडेशन के सदस्य पूरे देश में अलग-अलग स्थानों पर जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

जींद। जल बचाने का संदेश देते हुए बच्चे। फोटो : हरिभूमि

लोगों की सोच में बदलाव लाना

राजेश वशिष्ठ ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल संदेश देना नही बल्कि लोगों की सोच में बदलाव लाना है। जब तक हर व्यक्ति जल बचाने की जि मेदारी नहीं समझेगा, तब तक यह अभियान अधूरा रहेगा। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा विद्यालयों में बच्चों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बच्चों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए रैलियां निकाली जा रही हैं। गांवों में नुक्कड़ नाटक, बैठकों और संवाद कार्यक्रमों के जरिये लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का महत्व समझाया जा रहा है। संस्था के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानाचार्य रमेश चंद्र शर्मा ने कहा कि जल बचाव केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि यदि आज हम जल को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाएंगे तो भविष्य में जीवन संकट में पड़ सकता है। इस अवसर पर गौरव शर्मा, एडवोकेट मनोज कुमार, सुनील दत्त, मांगे राम, अर्चना, उषा, और संतरो रानी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिल कर लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और जल बचाने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने यह संदेश दिया कि हर बूंद की कीमत समझो, जल है तो कल है। पहला कदम फाउंडेशन ने यह भी घोषणा की कि आने वाले महीनों में यह अभियान हर जिले और गांव तक पहुंचाया जाएगा ताकि जल संरक्षण को एक जनआंदोलन का रूप दिया जा सके।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक रविवार 9 नवंबर 2025

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा
सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर- एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेबरेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

विशेष: बाल दिवस
14 नवंबर

दायित्व
डॉ.अनिता राठौर

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें
बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मनःस्थिति: आज के बच्चों की मनःस्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर है कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

मोबाइल का बवाल

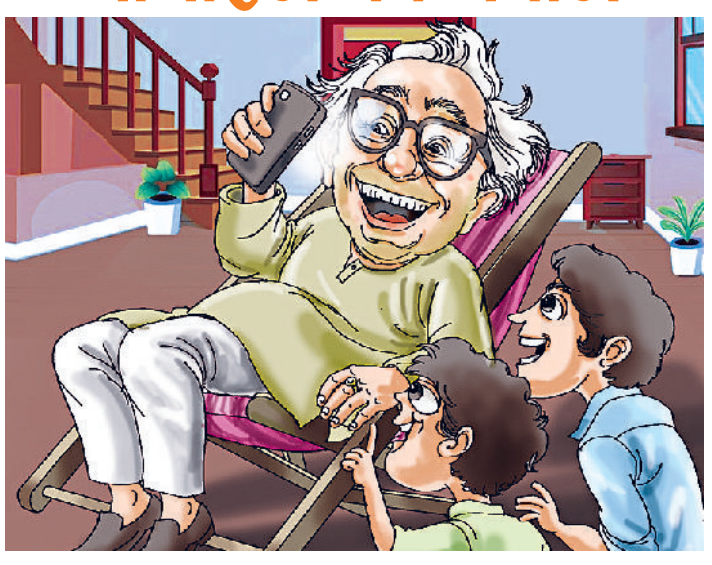

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तक: पा की डायरी (कहानी संग्रह),
लेखिका: आशा शर्मा, **मूल्य:** 260 रुपए,
प्रकाशक: समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

सेलिब्रेशन / शिखर चंद जैन

अपने भारत देश में तो बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को बाल दिवस मनाता है। लेकिन दुनिया के तमाम देशों में अलग-अलग महीनों/दिनों में बाल दिवस अनोखे अंदाज में मनाया जाता है। इनमें से कुछ देशों में कैसे मनाते हैं बाल दिवस, जानिए।

दुनिया भर में मनाते हैं बाल दिवस

बच्चों को पूरी दुनिया में प्यार किया जाता है। यही वजह है कि दूसरे दिवस भले ही दुनिया में हर जगह न मनाए जाते हों लेकिन चिल्ड्रेंस-डे दुनिया के लगभग हर देश में मनाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि साल के हर महीने में कहीं ना कहीं चिल्ड्रेन-डे मनाया जाता है। दुनिया भर में 90 से ज्यादा देशों में बच्चों के सम्मान में एक समर्पित राष्ट्रीय अवकाश है। इस अवकाश को बाल दिवस के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं, दुनिया के कुछ देशों में कैसे मनाते हैं बाल दिवस-

कोडोमो नो हि जापान

जापान में, बाल दिवस हर वर्ष 5 मई को मनाया जाता है। सन 1948 से यह राष्ट्रीय अवकाश है। इसे दो त्योहारों के रूप में मनाया जाता था, टैंगो नो सेक्कु (लड़कों का दिन) और हिनामात्सुरी (लड़कियों का दिन)। जापान में बाल दिवस मनाने का सबसे प्रसिद्ध तरीका काबूतो और गोगात्सु-निंग्यो जैसे पारंपरिक आभूषणों को प्रदर्शित करना होता है। काबूतो एक पारंपरिक समुराई हेलमेट है, जो अकसर सबसे सुंदर सजावट के साथ होता है। गोगात्सु-निंग्यो कवच और जापानी तलवार से सुसज्जित जापानी योद्धा गुड़िया का प्रतीक है। लोग उन्हें घर पर प्रदर्शित करते हैं। 'कोडोमो नो हि' यानी बाल दिवस जापान में एक राष्ट्रीय अवकाश है। कोइनोबोरी नामक रंगीन झंडे उत्सव के विशेष प्रतीक हैं, जिन्हें इस दिन घरों के बाहर खंभों पर लटकाए जाते हैं। जापानी में, कोइ का मतलब कार्प होता है। यह एक प्रकार की मछली है, जो शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक है और नोबोरी का मतलब है ऊपर उठना। बाल दिवस के अवसर पर टोक्यो के राष्ट्रीय कासुमीगाओका स्टेडियम में बच्चों का ओलंपिक भी आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों बच्चे और उनके अभिभावक दौड़ में भाग लेते हैं।

डिया डेल निनो मेक्सिको

मेक्सिको में बाल दिवस की शुरुआत सन 1925 में हुई थी। इस उत्सव की शुरुआत अल्वारो ओब्रेगॉन के राष्ट्रपति काल के दौरान हुई थी, जब प्रथम विश्व युद्ध से प्रभावित यहां के कमजोर बच्चों के कल्याण की योजनाएं बनाई जा रही थीं। मेक्सिको में बाल दिवस 30 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन रेग्युलर क्लास नहीं चलती। सारा दिन खेल खेलने, पिनाटा बनाने और तोड़ने, संगीत का आनंद लेने और बहुत सी मजेदार एक्टिविटीज करने में व्यतीत होता है। स्कूल के बाद, परिवार अपने बच्चों को संग्रहालयों, सिनेमाघरों और चिड़ियाघरों जैसी जगहों पर घुमाने ले जाते हैं, जहां आमतौर पर उस दिन बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश होता है। कुछ रेडियो और टेलीविजन प्रोग्राम होस्ट करने वाले बच्चों को अपने शो में बुलाते हैं।

यूरिनी नाल, दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया में बाल दिवस पर्व को राष्ट्रीय अवकाश होता है। इस दिन आयोजित होने वाले समारोहों में परेड, तमाशा, पार्टियां, पिकनिक और ताइक्वांडो प्रदर्शन शामिल हैं। इस सूची में पर्वतीय पद यात्राएं, नदी किनारे तंबू लगा कर रहने और मौज मस्ती करने जैसी गतिविधियां भी शामिल हैं। इस मौके पर बच्चे पारंपरिक कपड़े पहनते हैं और परिवार के साथ संग्रहालयों, पार्कों में मस्ती करने और फिल्म देखने जाते हैं। कई जगहों पर इस खास दिन के लिए बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया

जाता है। इस दिन बच्चे दक्षिण कोरियाई शिल्प की वस्तुएं बनाते हैं, जैसे कि हाथ में पकड़ने वाला सोगो ड्रम, कमल का लालटेन या सैम ता, गुक पंखा। इस अवसर पर चावल से बने कोरियाई व्यंजन, पारंपरिक खाद्य पदार्थ जैसे मांडू (मांस और सब्जियों से बना पकौड़ा) कुजुलपैन (पैनकेक के अंदर लपेटे गए मांस और सब्जियों के स्ट्रिप्स), सोलोंगटैंग, चावल के केक जो आधे-चंद्रमा के आकार के होते हैं आदि का लुत्फ भी उठाया जाता है।

लिउयी गुओजी एर्तोंग जिए चीन

चीन में बाल दिवस सन 1949 से मनाया जा रहा

है। यहां इसे हर वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। कुछ स्कूलों में, इसे बच्चों को समर्पित विशेष प्रदर्शनों के साथ मनाया जाता है। कई पर्यटक केंद्रों पर इस दिन बच्चों के लिए प्रवेश पर कुछ छूट दी जाती है या पूरी तरह से निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। चीन में इस दिन अधिकतर परिवार अपने बच्चों के साथ समय बिताते हैं और पसंदीदा भोजन बनाते, खाते हैं।

ते रा ओ नगा तामारिकी न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड में बाल दिवस को 'ते रा ओ नगा तामारिकी' के नाम से जाना जाता है और यह हर साल मार्च के पहले रविवार को मनाया जाता है।

इस दिन वहां पूरे देश में मजेदार सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें खेल, कार्निवल की सवारी, भोजन, पारंपरिक हाका नृत्य और बहुत कुछ शामिल होता है। k

अपने देश में मनाते हैं चाचा नेहरू का जन्मदिन

हमारे देश में 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे बच्चों में चाचा नेहरू के नाम से लोकप्रिय थे। इससे पहले सन 1964 तक बाल दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता था। दरअसल, सन 1954 में संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवंबर को बाल दिवस के तौर पर मनाने का ऐलान किया था, जिसके चलते हर साल 20 नवंबर को ही बाल दिवस मनाया जाता था। लेकिन 1964 में जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद बाल दिवस भारत में 14 नवंबर को मनाया जाने लगा। इस दिन बच्चों के लिए सभी स्कूलों में मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्हें तरह-तरह के खेल खिलाए जाते हैं और गिफ्ट भी दिए जाते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कई जगह राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित करती हैं।

बिहार के सोनपुर में सदियों से लगने वाले पशु मेले की वैश्विक ख्याति और इसका आकर्षण बरकरार है। आज से शुरू हो रहा यह मेला 10 दिसंबर तक चलेगा। इस मेले की खासियतों पर एक नजर।

बरकरार है सोनपुर मेले का आकर्षण

सांस्कृतिक उत्सव

धीरज बसाक

आज का दौर इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल पेमेंट और ई-कॉमर्स का है। यहां तक कि लोग अब पालतू पशुओं की खरीदारी के लिए भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे समय में भी बिहार का सोनपुर पशु मेला सदियों से न सिर्फ आज भी लग रहा है बल्कि उसका पहले की तरह आकर्षण भी बरकरार है, जो इस मेले की आर्थिक और सांस्कृतिक महत्ता को खुद ही बखान कर रहा है।

लोकजीवन की जड़ों से जुड़ा मेला: सोनपुर का पशु मेला न केवल पशुओं की खरीद-फरोख्त की दृष्टि से एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है बल्कि यह धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिकी दृष्टि से भी विशिष्ट आयोजन है, जिसकी चमक सदियों से बरकरार है। इस मेले में पशुओं का व्यापार तो

होता ही है, अपितु यह भक्ति, संस्कृति और लोक परंपराओं का भी महाकुंभ है। यह मेला बिहार ही नहीं, पूरे भारत की ग्रामीण आत्मा और उसकी जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करता है।

सदियों से लग रहा मेला: सोनपुर के पशु मेले का इतिहास 2,000 साल पुराना है। माना जाता है कि कृषि एवं अन्य कार्यों के लिए उपयोगी पशुओं की खरीद-बिक्री यहां मौर्य काल से होती आ रही है। गंगा और गंडक नदियों के संगम पर सोनपुर में लगने वाला यह मेला अपने पीछे कई पौराणिक आख्यानों की थाती समेटे हुए है, तो ग्रामीण जीवन की परंपरा का सबसे विश्वसनीय स्रोत भी है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार: सोनपुर का पशु मेला भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक बड़ा केंद्र है। इस मेले में गाय, भैंस, बैल, घोड़े, ऊंट और हाथी बिकते हैं। कभी यह एशिया का सबसे बड़ा हाथी बाजार हुआ करता था। हालांकि आज यह हाथी बाजार बहुत छोटा और विरासत के रूप में ही मौजूद है। यह मेला स्थानीय किसानों और पशु पालकों के लिए कमाई का एक बड़ा अवसर होता है। हाल के सालों में बिहार सरकार ने इसे 'एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक केयर' के रूप में विकसित किया है।

परंपरा का डिजिटलीकरण: सोनपुर पशु मेला अब भौतिक रूप में तो लगता ही है, इसका एक बड़ा और व्यापक डिजिटल संस्करण भी मौजूद है। बिहार पर्यटन विभाग की वेबसाइट, सोशल मीडिया एकाउंट और ऑनलाइन बुकिंग सुविधाओं के जरिए देशभर के लोग इस मेले से न केवल डिजिटल दुनिया में रू-ब-रू होते हैं बल्कि वो डिजिटल तरीके से खरीद-फरोख्त भी करते हैं। एक तरह से यह डिजिटल और पारंपरिक लोकजीवन का संगम बन गया है।

लोक-संस्कृति की झलक: इस मेले में देश-विदेश के लाखों पर्यटक, किसान और व्यापारी सिर्फ घूमने, खरीदने-बेचने के लिए ही नहीं आते, बल्कि इस मेले की सांस्कृतिक आत्मा को जीने के लिए भी आते हैं। इस सदियों पुराने पशु मेले में आज भी हर तरफ लोक-नृत्यों, लोकगीतों, नुक्कड़ नाटकों, हस्तशिल्प और लोकभोजनों का खुशबू भरा आकर्षण मौजूद होता है। वास्तव में इस मेले में आकर हम एक ऐसे ग्रामीण भारत से रू-ब-रू होते हैं, जिसकी चमक और खनक आज भी पूरी दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करती है। विदेशी पर्यटकों के लिए तो यह पशु मेला भारत की ग्रामीण संस्कृति का 'ओपन एयर म्यूजियम' की तरह है। बिहार सरकार सोनपुर मेले को हेरिटेज टूरिस्ट प्लेस के रूप में भी प्रमोट करती है, जिससे स्थानीय लोगों की आय में इजाफा होता है और वैश्विक स्तर पर भारत की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है।

सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव का अवसर: सोनपुर का मेला सिर्फ व्यापार मेला नहीं बल्कि विभिन्न समुदायों के मिलने-जुलने,

रिश्ते बनाने और अनुभव साझा करने का मंच भी है। इसलिए ग्रामीण समाज में यह मेला सामाजिक बंधन और लोकसंवाद की परंपरा को भी प्रोत्साहित करता है। आज जब पूरी दुनिया में वर्चुअल आयोजनों की भरमार है, ऐसे समय में सोनपुर का यह लोक मेला वास्तविक सामाजिक जुड़ाव का अनुभव देता है। यहां किसान, व्यापारी, शिल्पकार, संगीतकार और लोक-कलाकार सब मिलकर आम नागरिक जीवन की सतरंगी तस्वीर पेश करते हैं। यही वजह है कि आज के इस डिजिटल युग में भी सदियों से आयोजित हो रहे सोनपुर के पशु मेले का आकर्षण जरा भी कम नहीं हुआ है। k

गाइडेंस

कीर्तिशेखर

किसी एक उम्र तक ही सीरियस होकर सफल करियर नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हर एज की जरूरत के अनुसार करियर को सही दिशा दी जाए।

सक्सेसफुल करियर के लिए हर एज में सीरियस होना जरूरी

जीवन में कामयाब करियर हासिल करने के लिए सही समय क्या होता है, जब हमें इसके लिए गंभीर हो जाना चाहिए? इसके अलग-अलग जवाब हो सकते हैं। अगर हमें जीवन में अपने कामयाब करियर के लिए सजग रहना है तो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों में अलग-अलग तरह की सजगता बहुत जरूरी है ताकि उनके साझे नतीजे में हमारा शानदार-कामयाब करियर बने।

स्कूल टाइम (10 से 16 साल): यह वह उम्र होती है, जब कोई भी छात्र अपनी पढ़ाई, पढ़े जाने वाले विषय और उन विषयों में अपनी रुझान पहचानना शुरू करता है। इस उम्र में भविष्य के कामयाब करियर के लिए सजग हो जाना जरूरी है। क्योंकि उसी के मुताबिक आपको आगे अपने पढ़े जाने वाले विषयों की स्ट्रीम (आर्ट, कॉमर्स, साइंस) तय करना होता है और जिसमें बेहतर रुझान होता है, उसी दिशा में आगे करियर विकल्प पर फोकस करना होता है। इसलिए इस उम्र में जरूरी है- पढ़ने की आदत और अनुशासन विकसित करना। आप अपनी स्ट्रीम के मुताबिक अपनी रुचि को पहचानिए और उसे उस समय के हिसाब से विकसित करने की कोशिश करें। क्योंकि उम्र का यही वह पड़ाव होता है, जब हमारे जीवन के कामयाब करियर की नींव पड़ती है।

कॉलेज/स्नातक (16 से 23 साल): करियर के लिए हमारी जिंदगी में असली और सर्वाधिक सीरियस होने का यही समय होता है, क्योंकि इसी

समय हमें डिग्री मिलती है और डिग्री के साथ-साथ हम स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप या अपने ड्रीम करियर के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इस समय करियर को लेकर सर्वाधिक गंभीरता की इसलिए भी जरूरत पड़ती है, क्योंकि इस उम्र में हममें सबसे ज्यादा ऊर्जा होती है। इसी उम्र में हमारे पास असफल होकर दोबारा से नए सिरे से करियर शुरू करने का हौसला रहता है।

युवावस्था (23 से 30 साल): यह करियर शुरू हो जाने के बाद उसे स्थिरता प्रदान करने का समय होता है। क्योंकि अब वास्तव में करियर शुरू हो चुका होता है और उसे मजबूत और स्थिर बनाना हमारे हाथ में होता है। इसलिए इस उम्र में हमें

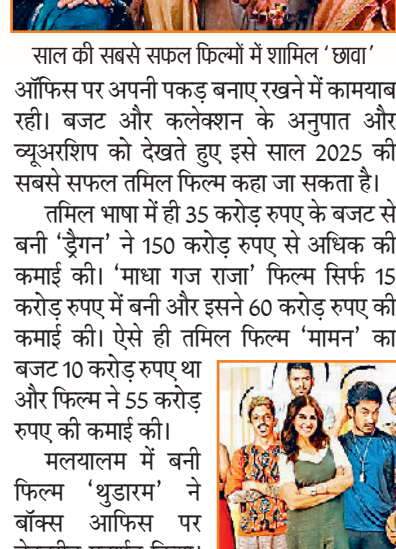

ज्यादा से ज्यादा अपने करियर के इस मोड़ पर फोकस करना चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर हमें सिर्फ करियर के लिए पढ़ाई पर ही ध्यान नहीं देना होता बल्कि नेटवर्किंग, अनुभव और सही अवसर पकड़ने की कोशिश पर होता है। क्योंकि अगर 23 से 30 के बीच हमारे करियर की दिशा अच्छी तरह से तय हो गई, तय होने के साथ-साथ इस दिशा में अगर हमने अपने आपको मजबूती से जमा लिया, तो आगे विकास और पदोन्नति आसान हो जाती है। यही वह उम्र है, जब हम एक करियर में रहते हुए इनकी मजबूती से तैयारी करते हैं। इसी उम्र में स्टार्टअप शुरू करना, अपने विषय विशेष पर रिसर्च करना या जॉब के साथ फ्रीलांसिंग के

अवसर पकड़ना होता है। इसलिए उम्र का यह पड़ाव भी करियर के लिहाज से इंपॉर्टेंट होता है।

स्थिरता-विकास (31 से 40 साल): 31वें साल से लेकर 40वें साल तक हम अपने करियर को स्थिरता प्रदान करते हुए उच्च विकास की ओर आगे बढ़ते हैं। इस दौरान कई बार हमें पीएचडी की पढ़ाई करनी होती है। जॉब में लीडरशिप पाने के लिए मैनेजमेंट कोर्स या इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन की पढ़ाई करनी होती है। कुल मिलाकर इस उम्र में हम अपने करियर को मजबूती देकर विशेषज्ञता की ओर बढ़ते हैं और नेतृत्व हासिल करते हैं। इसलिए करियर के लिहाज से उम्र का यह पड़ाव हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है कि इस समय तक हमारे क्षेत्र विशेष में हमारी प्रोफेशनल पहचान बनने लगती है और हममें अपने क्षेत्र में स्थिरता हासिल करना जरूरी हो जाता है।

अनुभव का पूंजीकरण (40 साल के बाद): उम्र के इस पड़ाव में हमें अपनी अब तक की मेहनत के कई सुफल मिलते है। लेकिन कई बार हमें इस उम्र में अपना टेक्नोलॉजी स्किल बदलने नए सिरे से अपनी पढ़ाई में कुछ और जोड़ना होता है। इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए। k

सिने ट्रेंड / डी. जे. नंदन

जरूरी नहीं कि जिस फिल्म का बजट ज्यादा होगा, उसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी जानदार होगा। कई बार लो बजट में बनी फिल्में भी कमाई के मामले में कमाल कर जाती हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में बनी कुछ ऐसी फिल्मों पर एक नजर।

बजट रहा लो-किया हाई कलेक्शन

इस साल भारतीय सिनेमा में बड़े बजट की फिल्मों ने ही नहीं बल्कि छोटे बजट की अच्छी कहानियों पर बनी फिल्मों ने भी कमाल कर दिखाया। कम बजट में बनने वाली कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई तो की ही, फिल्म की कहानी और संगीत ने भी लोगों के दिलों को छुआ। मतलब साफ है, अब दर्शक ऐसी फिल्में देखना पसंद करते हैं, जिसकी कहानी उनके दिल को छू जाए और उन्हें एकबारगी सोचने पर मजबूर कर दे।

कम बजट में बड़ी सफलता: इस साल महज 45 करोड़ रुपए के बजट से बनी, फिल्म 'सैयारा' 500 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस चुकी है। इस फिल्म की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों को बड़े-भव्य सेट्स और महंगे लोकेशन वाली फिल्में ही नहीं, अच्छी कहानी और अच्छे संगीत पर आधारित फिल्में भी खूब पसंद आती हैं। न्यू कमर्स अहान पांडे और अनीता पड्डा को इस फिल्म ने रातों-रात स्टार बना दिया। 'सैयारा' से पहले विकी कौशल की फिल्म 'छावा' ने वर्ल्डवाइड लगभग 808 करोड़ रुपए की कमाई की थी। महज 90 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'छावा' साल 2025 की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी।

आमिर खान की 'सितारे जमीं पर' ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसने लगभग 300 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। राजकुमार राव अभिनीत 'भूलचूक माफ' महज 45 करोड़ रुपए के बजट से बनी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 90 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई की थी।

'हाउसफुल 5' का उम्मीद से कम रहा कलेक्शन

बड़े बजट के बावजूद नहीं मिली सफलता: इस साल बड़े बजट की कई फिल्मों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि वो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित होंगी। लेकिन इन बिग बजट फिल्मों ने निराश ही किया। अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' खास कमाई नहीं कर पाई। सनी देओल की 'जाट' उम्मीद से काफी कम चली। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा', जो की मलयालम फिल्म की रीमेक है, नहीं चल पाई। कंगना रानोट की 'इमरजेंसी' से भी सफलता दूर ही रही। मल्टी स्टारर फिल्म 'हाउस फुल-5' अपना बजट निकालने में तो कामयाब रही, लेकिन फिल्म उम्मीद के मुताबिक मुनाफा नहीं कमा पाई।

'सैयारा' को मिली शानदार सफलता

अन्य भारतीय भाषाओं की सफल फिल्में: हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों पर नजर डालें तो क्षेत्रीय भाषाओं में बनी कई लो बजट फिल्मों ने कमाल की सफलता पाई। तमिल फिल्मों की बात करें तो सिर्फ 7 करोड़ रुपए के मामूली बजट में बनी तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। यह फिल्म पांच सप्ताह तक लगातार बॉक्स

साल की सबसे सफल फिल्मों में शामिल 'छावा'

ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रही। बजट और कलेक्शन के अनुपात और व्यूअरशिप को देखते हुए इसे साल 2025 की सबसे सफल तमिल फिल्म कहा जा सकता है।

तमिल भाषा में ही 35 करोड़ रुपए के बजट से बनी 'ड्रैगन' ने 150 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। 'माधा गज राजा' फिल्म सिर्फ 15 करोड़ रुपए में बनी और इसने 60 करोड़ रुपए की कमाई की। ऐसे ही तमिल फिल्म 'मामन' का बजट 10 करोड़ रुपए था और फिल्म ने 55 करोड़ रुपए की कमाई की।

मलयालम में बनी फिल्म 'थुडारम' ने बॉक्स आफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। लगभग 50 करोड़ रुपए के बजट वाली इस फिल्म ने 235 करोड़ रुपए के आस-पास कमाई की। मलयालम भाषा की ही फिल्म 'रेखा चित्रम' सिर्फ 10 करोड़ रुपए के बजट से बनी थी। फिल्म ने उम्मीद से ज्यादा लगभग 60 करोड़ रुपए की कमाई की। ऐसे ही 'अलप्पाबुझा जिमखाना' 12 करोड़ रुपए के

तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' ने किया कमाल

बजट से बनी और लगभग 70 करोड़ रुपए की कमाई की।

तेलुगू भाषा की फिल्म 'संक्रांतिकी वस्थुनम' 50 करोड़ रुपए के बजट से बनी और फिल्म ने लगभग 260 करोड़ रुपए की कमाई की।

दर्शकों को प्रभावित करती है कहानी: छोटे बजट की इन भारतीय फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन यह संकेत करता है कि फिल्म का बजट और स्टारकास्ट भले ही मायने रखते हैं, लेकिन फिल्म की कहानी और उसकी प्रस्तुति भी दर्शकों को खींचने और उन्हें बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बड़े बजट की फिल्मों का कम चलना और लो बजट फिल्मों का शानदार प्रदर्शन निर्माता-निर्देशकों के लिए भी सबक है कि वे स्टार पावर के अलावा कहानियों और उसके प्रस्तुतिकरण पर भी ध्यान दें। भले ही कम बजट में फिल्में बनाएं, लेकिन अच्छी फिल्में बनाएं। k

'सितारे जमीन पर' ने भी की बढ़िया कमाई